आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ट 12 मूल्य: 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

मोदी के खिलाफ भाजपा में बगावत

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 30 ● नई दिल्ली ● 28 जुलाई से 3 अगस्त 2024

|| सनत जैन ||

2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद, भारतीय जनता पार्टी के सभी राज्यों से असंतोष और बगावत के स्वर सुनने को मिलने लगे हैं, लोकसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 303 सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी। 2024 में भाजपा ने 370 पार का नारा लगाया था। लेकिन जब परिणाम आया, तो भारतीय जनता पार्टी 240 में सिमट कर रह गई। उसके बाद से ही देश के विभिन्न राज्यों से भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के विरोध में असंतोष और बगावत के स्वर उभरने लगे। किसी तरह से एनडीए गठबंधन की सरकार तो केंद्र में बन गई और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने अपने सभी विश्वस्त सहयोगियों को वही पद दिए जो उनके पास पूर्व में थे। इसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कामकाज को लेकर सभी राज्यों में भाजपा नेताओं के असंतोष और बगावती स्वर दिनों दिन मुखर होते जा रहे हैं। रही-सही कसर संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयानों से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को चुनौती मिलने लगी है। भाजपा नेताओं के हौसले इतने बढ़ गए हैं, वह प्रधानमंत्री की नीति के खिलाफ ही खुलकर बोलने लगे है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने सबका-साथ सबका-विकास, नारे के स्थान पर खुद का नया नारा बुलंद कर दिया। जिसमें कहा गया जो हमारे-साथ, हम उसके-साथ, यह कहकर उन्होंने एक तरह से नरेंद्र मोदी का कद कम करने की कोशिश की है। पश्चिम बंगाल में पसमांदा मुसलमानों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जो हाथ बढ़ाया था। उसकी कोई सफलता प. बंगाल में नहीं मिलने से, मुसलमानों को लेकर जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी। उसका भी बड़े पैमाने पर

शेष पृष्ठ 2 पर

कस्टम ड्यूटी कम होते ही औंधे मुंह गिरा सोना चांदी

बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी घटने के कारण इनकी बिकवाली जोरों पर रही। एक दिन में ही हजारों टन सोना-चांदी की बिकवाली हुई है। बाजार के जानकारों के अनुसार, बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी घटने के बाद से 2 दिन में सोना 4000 रुपए और चांदी 3600 रुपए सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। यानी 9 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी कम होने से सोना-चांदी औंधे मुंह गिरे हैं। इनके भाव में आई गिरावट से लोगों ने जमकर खरीदारी की है। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों के दौरान सोना-चांदी के भाव तेजी से आसमान पर पहुंचे है। इस साल अब तक सोने के दाम 5,842 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरूआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 69,194 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरूआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 84,897 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 11,502 रुपए बढ़ चुकी है। कुछ दिन और गिर सकते हैं भाव केंद्र सरकार ने जैसे ही बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी कम करने की घोषणा की इसमें सोना और चांदी में 3600 रुपए की गिरावट आई

शेष पृष्ठ 2 पर

नीति आयोग की बैठक में ममता का आरोप

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

नीति आयोग की बैठक को लेकर जारी राजनीति कम होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्षी मुख्यमंत्रियों द्वारा इसका बहिष्कार करने का फैसला लिया गया। हालांकि, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इसमें शामिल हुई थीं। लेकिन उन्होंने ने भी बड़ा आरोप लगाते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। ममता ने दावा किया कि मैंने कहा कि आपको (केंद्र सरकार) राज्य सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं बोलना चाहती थी लेकिन मुझे केवल 5 मिनट के लिए बोलने की अनुमति दी गई।

इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मुझसे पहले के लोगों ने 10-20 मिनट तक बात की। विपक्ष से मैं अकेली थी जो भाग ले रही थी लेकिन फिर भी मुझे बोलने की अनुमति नहीं दी गई। यह अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि मैं बोल रही थी, मेरा माइक बंद हो गया। मैंने कहा आपने मुझे क्यों रोका, आप भेदभाव क्यों कर रहे हैं। मैं बैठक में भाग ले रही हूं, आपको खुश होना चाहिए बजाय इसके कि आप अपनी पार्टी, अपनी सरकार को अधिक गुंजाइश दे रहे हैं। विपक्ष की ओर से सिर्फ मैं हूं और आप मुझे बोलने से रोक रहे हैं...यह सिर्फ बंगाल का ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रीय पार्टियों का अपमान है।

दरअसल, विपक्ष शासित राज्यों के लगभग सभी मुख्यमंत्रियों का आरोप है कि इस बार के केंद्रीय बजट में उनका हक नहीं दिया गया है। यहीं कारण है कि वो लोग नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। आज नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने पर तमिलनाडु के सीएम

शेष पृष्ठ 2 पर

दोबारा नहीं होगी नीट-यूजी परीक्षा: सुप्रीम कोर्ट

|| विनीता यादव ||

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि परीक्षा रद्द करने की मांग सही नहीं है। इसका मतलब है कि नीट-यूजी परीक्षा दोबारा नहीं होगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि ऐसी कोई सामग्री नहीं है जिससे ये साबित हो कि पूरी परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है।

बता दें कि कई छात्र नीट-यूजी की परीक्षा दोबारा कराने की मांग कर रहे थे। उन लोगों ने इसमें कई अनियमितताओं का आरोप लगाया था। यहां तक कि पेपर लीक का भी आरोप लगा। बताया गया कि इसमें कई खामियां हैं। नीट-यूजी परीक्षा

571 शहरों के 4750 केंद्रों के अलावा 14 विदेशी शहरों में भी आयोजित की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, रीनीट यानी दोबारा परीक्षा नहीं होगी, इसमें काफी ज्यादा खर्च आएगा।

एडवोकेट श्रुति चौधरी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी की दलीलें सुनी, सीबीआई की जांच रिपोर्ट देखी, और फिर फैसला किया कि रिकॉर्ड पर इतना सबूत ही नहीं है दोबारा परीक्षा का आदेश पारित किया जाय। जो चीटिंग हुई थी वो पटना और हजारीबाग के अलावा कहीं नहीं हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतने कम सबूत के आधार पर अगर दोबारा परीक्षा होगी तो 23 लाख उम्मीदवारों के लिए

शेष पृष्ठ 2 पर

आम बजट बीच में झूलता हुआ

|| रघु ठाकुर ||

इस बजट में सरकार ने अपनी तात्कालिक जरूरत और हाल के लोकसभा चुनाव के परिणाम से सबक को सीख कर कुछ सुधारने के काम किये हैं जैसे कि लगभग एक करोड़ नौजवानों को एंट्रन्शिप के लिए 500 शीर्ष कंपनियों में रु 5000 प्रतिमाह दिए जाएंगे और एक बार रु 6000 दिए जाएंगे। कर्मचारियों का स्टैंडर्ड डिडक्शन याने फ्रिज बेनिफिट्स भी 50000 से बढाकर 75000 हजार रू किया है। आदिवासियों के 63 हजार गांव की उन्नति के लिए सरकार ने विशेष योजना बनाई है और एक अच्छा कदम है। जो निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी है उनके लिए भी एक माह का वेतन तीन किस्तों मे रु 15000 की देने की योजना बनाई है इसका लाभ भी करीब दो करोड़ कर्मचारियों को हो सकता है।

किसानों के लिए कोई विशेष योजना नहीं नजर आती और लगभग यथा स्थिति है। हां कुछ भविष्य के सुधार की दृष्टिकोण से प्रस्ताव रखे गए हैं परंतु वे अभी प्रस्ताव मात्र ही है।

छात्रों के लिए भी यह सुविधा मिली है की जो देसी संस्थानों में पढ़ने वाले नौजवान है उन्हें 10 लाख रुपए तक का ऋण सरकार की ओर से शिक्षा ऋण के तहत दिया जाएगा। एक करोड़ मकान बनाने की घोषणा पुरानी घोषणा का ही एक परिवर्तित रूप है परंतु इनमें जो भ्रष्टाचार

शेष पृष्ठ 2 पर

राजेंद्र चिंतन समिति के संयोजक

श्री रामकृष्ण शर्मा का निधन

राजेन्द्र चिंतन समिति के संयोजक रामकृष्ण शर्मा का 86 वर्ष की आयु

में निधन हो गया। श्री शर्मा परोपकार अखबार के संपादक भी थे। समाचार पत्र के माध्यम से दिल्ली व देश की विभिन्न समस्याओं को उजागर करते रहे। श्री शर्मा देश के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए भव्य आयोजन किया करते थे जिसमें देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री व सांसद डा. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते रहे। राष्ट्र टाइम्स परिवार की ओर रामकृष्ण शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि।

संपादकीय

मोदी की कुर्सी बचाओ बजट

मोदी 3.0 का पहला बजट सामने है। कई राज्य खाली हाथ हैं। लेकिन गठबन्धन धर्म की रीत निभाता यह बजट हमेशा की तरह आंकड़ों, गणित और पहेलियों में उलझा हुआ है। आम आदमी बस इतना समझता है कि क्या सस्ता हुआ, क्या मंहगा, किसे क्या मिला और सीधे-सीधे टैक्स में कितनी बचत हुई? अभी इतना समझ आ रहा है कि मोबाइल और चार्जर सस्ते हुए और सोने-चांदी के दाम भी थोड़ा घटे। प्राइवेट जॉब में युवाओं को आस है। टॉप देशी 500 कंपनियां 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का मौका देंगी और 5 हजार रुपए मासिक और एकमुश्त 6 हजार की अतिरिक्त सरकारी मदद तथा इस दौरान कैंपस सुविधा मिलेगी। यह नियमित नौकरी तो नहीं होगी लेकिन पीएम इंटर्नशिप स्कीम की पात्रता शर्तों को भी पूरा करना होगा। वहीं 5 वर्षों में 20 लाख युवाओं को स्किल ट्रेनिंग की तैयारी भी है।

रेलवे को रेकॉर्ड पैसा देने के बावजूद खास चर्चा नहीं हुई। सुरक्षा पर ही ध्यान रहा। बीते वित्त वर्ष में 700 करोड़ से अधिक लोगों ने सफर किया। चालू वित्त वर्ष में 2500 अतिरिक्त जनरल कोच बनेंगे। गठबंधन धर्म के बावजूद आम आदमी की खास जरूरत जिसमें सीनियर सिटीजन, वेटिंग लिस्ट और यात्री सुविधाओं का जिक्र तक नहीं हुआ।

टीडीएस नियमावली आसान होगी और क्रिमिनल लॉ बाहर होंगे। जीवन बीमा पॉलसियों जिनका सम एश्योर्ड 10 प्रतिशत से ज्यादा हैं उनकी मैच्योरिटी पर भी 5 प्रतिशत टीडीएस कटता है जो घटाकर अब 2 प्रतिशत किया गया है। रियल एस्टेट भी बजट से निराश है। अब प्रॉपर्टी दो साल के लांग टर्म की श्रेणी में आएगी। पहले तीन साल में थी। मतलब इस सेक्टर को इंडेक्सेशन का फायदा नहीं मिलेगा।

भाजपा ने खास सहयोगियों बाबू नीतिश और चंद्रबाबू को साधा जरूर लेकिन स्पेशल स्टैटस का दर्जा नहीं दिया। उनकी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर धनवर्षा खूब की। बाढ़ प्रभावित राज्यों बिहार, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, असम सिक्किम को मदद का ऐलान हुआ तो मणिपुर में बाढ़ विस्थापितों को राहत या पुनर्वास की चर्चा तक नहीं हुई। उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मणिपुर, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और गोवा को बजट में कुछ खास मिला नहीं। शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष तो और दीगर जरूरतों पर मरहम की घोषणाओं का महज इंतजार होता रहा।

मध्यम तबके को साधने की कवायद जरूर दिखी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ घर बनाने का लक्ष्य है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल (पीपीपी) के तहत 30 लाख से अधिक आबादी वाले 14 बड़े शहरों में औद्योगिक कामगारों खातिर डॉरमेट्री जैसी सुविधाएं तो आधी आबादी को साधने हेतु उनके पोषण से लेकर स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता और कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल व शिशु गृह तैयार करने पर घोषणा हुई। इससे महिलाओं का घर व काम के बीच बेहतर ढ़ंग से तालमेल होगा। वहीं एक करोड़ घरों को सोलर पैनल के जरिए 300 यूनिट फ्री बिजली की जगमगाहट का इंतजार है।

इस बजट से शेयर बाजार जरूर असंतुष्ट दिख रहा है। शॉर्ट टर्म कैपिटल टैक्स जो पहले 15 प्रतिशत था अब 20 प्रतिशत हो गया है। फ्यूचर और ऑप्शन पर सिक्योरिटी एण्ड ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ गया है। निश्चित रूप से इसका नकारात्मक परिणाम भी भाषण के साथ शेयर बाजार में दिखा। पूरे बजट को देखने से यह लगता है कि सरकार का फोकस नई टैक्स प्रणाली को भविष्य में मजबूती से लाना है। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 16 में मानक कटौती का प्रावधान है जिसका ज्यादा फायदा नौकरीपेशा लोगों को ही होता है। इसमें एक तय राशि को ही टैक्सेबल आय से घटाया जाता है जिससे टैक्स पेयर की देनदारी कम जाती है। इसकी शुरूआत 1974 में हुई थी। बाद में इसे खत्म कर दिया गया लेकिन 2018 में स्टैंडर्ड डिडक्शन फिर शुरू हुआ। अब इसका लाभ नई और पुरानी कर प्रणालियों में लिया जा सकता है। इस बजट में यह कटौती 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए कर दी गई है।

कृषि क्षेत्र में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए अगले दो वर्षों में राजी किया जाएगा। जलवायु अनुरूप फसल उगाने के साथ सब्जी उत्पादन बढ़ाने हेतु कलस्टर विकसित होंगे। वहीं किसान संगठन से जुड़े नेताओं ने कहा है तो फिर उर्वरकों और रसायनों पर सब्सीडी कैसी? निश्चित रूप से बढ़ती मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए कृषि क्षेत्र अहम है। इसलिए सबको लगता था कि इस पर ज्यादा चर्चा होगी।

बजट में पूर्वी क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है और पर्यटन की संभावनाओं के नाम पर बिहार खातिर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुईं। विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर के व्यापक विकासित कर विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर विश्व स्तरीय तीर्थ और पर्यटन स्थलों में बदलने की बात कही गई। राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय के लिए व्यापक विकास की पहल है। नए हाथ आए राज्य ओडीशा की प्राकृतिक सुन्दरता के मद्देनजर वहां भी पर्यटन हब बनाने की घोषणा हुई।

मध्यम आय वर्ग बजट से ज्यादा संतुष्ट नहीं दिख रहा है। रसोई, सिलेण्डर का खर्चा बढ़ता जा रहा है। रिटायर्ड और मौजूदा सरकारी कर्मचारी भी बड़ी उम्मीदें पाले थे। हां कैंसर मरीजों को जरूर महंगी दवाओं से राहत मिलेगी। जबकि चुनावी राज्यों के हाथ मायूसी लगी। महाराष्ट्र, हरियाणा का जिक्र तक नहीं हुआ तो जम्मू-कश्मीर और झारखण्ड का नाम आया जरूर लेकिन वहां चुनावों के मद्देनजर खास कुछ मिला नहीं।

बिहार-आंध्रप्रदेश की तमाम योजनाओं पर 74 हजार करोड़ की धनवर्षा से लगता नहीं कि यह बजट सरकार के अपने अरमानों पर ज्यादा केन्द्रित है? फिर भी 7.75 लाख रुपए आय तक टैक्स नहीं लगने और कुल आय पर स्टैण्डर्ड 50 हजार से बढ़ाकर 75 करने से कुछ फायदा तो तय है लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई के कारण यह सब केवल अब यह ऊंट के मुंह में जीरा होगा या जीरे में ऊंट मुंह मारेगा?

पृष्ठ 1 का शेष

मोदी के खिलाफ...

विरोध हो रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नेताओं के बीच असंतोष का स्वर बड़ा मुखर हो गया है। राज्य कार्य समिति की बैठक में योगी आदित्यनाथ का यह कहना कि अति आत्मविश्वास के कारण भाजपा का पतन हुआ है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने खुलेआम योगी के खिलाफ कार्य समिति और उसके बाद मोर्चा खोले हुए हैं। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम कुमार धूमल ने भी केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ खुलकर अपनी आवाज मुखर की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के बीच खटपट की खबरें लगातार बाहर आ रही हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा को भी पार्टी के अंदर से असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा विधायकों द्वारा उन्हें सीधी चुनौती दी जा रही है। भाजपा शासित राज्यों से भी संगठन में बैठे नेताओं द्वारा जिस तरह से असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। उससे ऐसा लगता है, 2012-13 में जो कांग्रेस की स्थिति थी। वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी में भी 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बनने लगी हैं। केंद्रीय बजट ने आग में घी डालने का काम किया है। केंद्र की सरकार को बचाए रखने के लिए बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज दिए गए हैं। इसमें भाजपा शासित राज्यों की उपेक्षा किए जाने से डबल इंजन की राज्यों में भाजपा के खिलाफ नाराजगी का माहौल बन गया है। जिस तरह से सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच में आपसी खटपट बढ़ती चली जा रही है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, 2013 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का भाजपा संगठन और सरकार में जो प्रभाव था। दोनों ही नेताओं को सभी राज्यों से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी का अनुशासन भी कहीं देखने को नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति में भाजपा हर दिन कमजोर होती नजर आ रही है। इस स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी संगठन की चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ गई हैं।

पिछले एक हफ्ते से उत्तर प्रदेश का मामला जिस तरह से राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में छाया हुआ है। उससे भारतीय जनता पार्टी की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा नुकसान हो रहा है।

कस्टम ड्यूटी कम होते ही औंधे मुंह गिरा सोना चांदी

थी। वहीं 408 रुपए गिरकर 69,194 रुपए पर आ गया है। चांदी 22 रुपए गिरकर 84,897 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इसको देखते हुए लोगों ने जमकर सोना-चांदी खरीदा है।

तस्करी पर लगेगी लगाम

बाजार के जानकारों का कहना है कि देश में सोना-चांदी के भाव बढ़ने के कारण बांग्लादेश के रास्ते तस्करी बढ़ गई थी। इससे जहां कारोबारियों को नुकसान हो रहा था, वहीं सरकार को भी राजस्व का झटका लग रहा था। अब ड्यूटी में कमी आने से बाजार में संतुलित कारोबार होगा। उधर, ज्वैलर्स एसोसिएशन ने भी केंद्र सरकार की ओर से बजट में सोने एवं चांदी पर कस्टम ड्यूटी कम करने की सराहना की है।

उनका कहना है कि इससे बाजार में रौनक लौटेगी और कारोबार में इजाफा होगा। वहीं अब कस्टम ड्यूटी के कारण भाव गिरने से तस्करी पर अपने आप लगाम लग जाएगी।

सोना-चांदी पर वर्तमान में 3 प्रतिशत जीएसटी लगती है। लेकिन सरकार इसे बढ़ाकर 5 फीसदी कर सकती है। इससे इनके दाम फिर से बढ़ सकते हैं। जानकारों के अनुसार इस बार बजट में सोना पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी कम होने से इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। लेकिन कस्टम ड्यूटी घटने के बाद आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी।

अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है।

नीति आयोग की बैठक में ममता का आरोप

एमके स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट भाजपा का बहिष्कार करने वाले राज्यों और लोगों के प्रति प्रतिशोध की कार्रवाई जैसा प्रतीत होता है।

उन्होंने इंडिया ब्लॉक को वोट देने वालों से बदला लेने के लिए बजट तैयार किया है। केंद्र की भाजपा सरकार लगातार तमिलनाडु की उपेक्षा कर रही है।

राजद नेता मनोज झा ने कहा कि नीति आयोग क्या है? इसमें कौन सी शक्ति है? योजना आयोग से क्या समस्या है? यह नेहरू के समय से है। योजना आयोग की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि अगर बजट में विपक्ष शासित राज्यों के लिए कोई प्रावधान नहीं है तो नीति आयोग की बैठक का क्या मतलब है। इसीलिए विपक्ष शासित राज्यों ने बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। दिल्ली और पंजाब की अनदेखी की गई। सीएम भगवंत मान और दिल्ली के वित्त मंत्री अरविंद केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर सकते थे, लेकिन उन्होंने भी बहिष्कार कर दिया है।

दोबारा नहीं होगी नीट...

सुविधाजनक नहीं होगा।

कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से भौतिकी के एक विवादास्पद प्रश्न के संबंध में आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ पैनल द्वारा दी गई राय के मद्देनजर अंकों को नए सिरे से मिलान करने को कहा, जिसमें कहा गया कि दो विकल्पों को एक प्रश्न का सही उत्तर नहीं माना जा सकता।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी दिल्ली के निदेशक को सही विकल्प पर अपनी राय बनाने के लिए तीन विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने और 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक अपनी राय अदालत के रजिस्ट्रार को भेजने को कहा था।

आम बजट बीच में झूलता हुआ

होता है उसे रोकने के बारे में कोई उपाय नहीं बताए हैं। सरकार ने व विशेषता प्रधानमंत्री जी ने अपने कॉर्पोरेट मित्रों का पूरा ख्याल रखा है और उनके कारपोरेट टैक्स में 5% कमी कर दी गई है जबकि मध्यवर्गीय व आम आदमी को इनकम टैक्स की छूट के नाम पर जो रियायत दी गई है वह दिखने की ज्यादा है जो ऊपर से सुंदर नजर आती है परंतु उनके भीतर कोई विशेष लाभ नहीं है।

इस बजट में 6 लाख करोड़ रुपए का घाटा है उसकी पूर्ति कैसे होगी इस बारे में भी सरकार ने मौन व्रत धारण किया है । बजट का लगभग 19 परसेंट ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा है जो एक काफी बड़ी राशि है और इसका मतलब है की सरकार का कर्ज निरंतर बढ़ रहा है। स्वास्थ्य के लिए मात्र 89हजार करोड़ रूपए है जो जरूरत से बहुत कम है मुश्किल से साढ़े छह रू प्रति वर्ष और 54 पैसा प्रतिमाह।

यह बजट लोगों को ना भरपेट खिलाने वाला है न भूखा रखने वाला है बल्कि एक प्रकार का ब्रंच बजट है।

केजरीवाल की 'गिरती सेहत' : इंडिया ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

आम आदमी पार्टी ने कहा कि विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित करेगा, जिसमें तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा। आप प्रमुख वर्तमान में शराब नीति मामले में जेल में बंद हैं। आप भाजपा पर जेल में केजरीवाल की 'हत्या की साजिश' रचने का आरोप लगा रही है, जिसमें उनकी मेडिकल रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि 3 जून से 7 जुलाई के बीच उनका शुगर लेवल 26 बार गिरा था।

आप ने कहा, "केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाने के लिए इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक बड़ी रैली करेगा।" दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर मुख्यमंत्री की जान से खेलने का आरोप लगाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिल्ली की मंत्री आतिशी से रैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के खिलाफ साजिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, "भारतीय जनता पार्टी हर तरह से दिल्ली के लोगों के खिलाफ साजिश कर रही है। वह दिल्ली के लोगों के काम रोक रही है। वह दिल्ली के लोगों के पैसे रोक रही है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों के लिए काम करने वाले अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करवा दिया।"

आतिशी ने यह भी दावा किया कि जब भाजपा को पता चला कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकती है तो उन्होंने उन्हें सीबीआई से गिरफ्तार करवा दिया।

दिल्ली की मंत्री ने दावा किया, "उन्हें पता है कि केजरीवाल को पिछले 30 सालों से डायबिटीज है। हिरासत में उनका वजन 8.5 किलो कम हो गया है। ग्लूकोमीटर पूरे दिन उनके शुगर लेवल पर नजर रखता है। इस डिवाइस का डेटा एलजी और केंद्र के साथ साझा किया जाता है। उन्हें पता है कि केजरीवाल का शुगर लेवल खतरनाक स्तर तक गिर गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि हिरासत में अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल कुल 34 बार गिरा है। आतिशी ने कहा, "बीजेपी को यह पता था और उसने उन्हें सीबीआई से गिरफ्तार करवाया। बीजेपी चाहती है कि उनका स्वास्थ्य हमेशा के लिए खराब हो जाए। सभी भारतीय ब्लॉक पार्टियां केजरीवाल की हिरासत और उनके स्वास्थ्य पर मौजूदा खतरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी।" पिछले हफ्ते, वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति को रेखांकित करते हुए लिखा था, जिसमें कहा गया था कि तिहाड़ जेल अधीक्षक द्वारा दी गई रिपोर्ट से पता चला है कि मुख्यमंत्री जानबूझकर चिकित्सकीय रूप से अनुशंसित कैलोरी से कम कैलोरी ले रहे हैं

उपराज्यपाल ने तत्काल कार्रवाई और केजरीवाल के रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के लिए सख्त प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की। एक दिन बाद, राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि केजरीवाल की मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि "उनके साथ कभी भी कुछ भी हो सकता है"। दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। हालांकि, आप प्रमुख को प्रवर्तन निदेशालय के मामले में अंतरिम जमानत मिल गई है। उन्हें शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 21 मार्च को ED ने गिरफ्तार किया था।

देवेन्द्र यादव ने कांवड़ शिविरों का उद्घाटन किया

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने जाफराबाद सदभावना कांवड़ शिविर का उद्घाटन किया। 30 वर्षों से चलाए जा रहे इस कांवड़ शिविर में सीलमपुर विधानसभा के पूर्व विधायक चौ0 मतीन अहमद द्वारा हिन्दु श्रद्धालुओं की सेवा करते आ रहे है। जाफाराबाद के इस कांवड़ शिविर का पूरा प्रभार इस बार चौ0 जुबैर अहमद उठा रहे है। प्रदेश अध्यक्ष ने जाफराबाद सद्भावना कांवड़ शिविर के अलावा मेन रोड़ शास्त्री पार्क पर लगे कांवड़ शिविर का भी उद्घाटन किया और वहां कांवडियों के लिए मौजूद सुविधाओं का जायजा भी लिया।

सदभावना कांवड़ शिविर कैम्प के उद्घाटन के अवसर पर देवेन्द्र यादव के साथ पूर्व विधायक चौ0 मतीन अहमद, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, निगम पार्षद श्रीमती शगुफ्ता, हाजी जरीफ,. समीर मंसूरी, जिला अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद, दिल्ली कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन अब्दुल वाहिद कुरैशी, नासीर जावेद, जावेद बरकी, मौजूद रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस सर्वधर्म सम्भाव की विचारधारा में विश्वास रखने वाली पार्टी है और हर धार्मिक आस्था प्रति सद्भावना और सामाजिक समरसता का प्रसार प्रचार ही हमारी नीति और विश्वास, विचारधारा है। चौ0 जुबैर अहमद द्वारा आयोजित सदभावना कांवड़ शिविर कैम्प में हिन्दु मुस्लिम एकता बेमिसाल प्रदर्शित होती है, जहां मुस्लिम और हिन्दु भाई श्रद्धालु कांवड़ियों की मिलकर सेवा करते है। यादव ने लाखों कांवड़ियों से अनुरोध किया कि सभी श्रद्धालु गंगाजल ले जाते समय अनुशासन और यातायात नियमों का पालन करें और दिल्ली एनसीआर के रुट के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी एडवाईजर का उलंघन न करें।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांवड़ शिविर में हरिद्वार में गंगा से पवित्र जल लेने के लिए जाने वाले और उनके लौटते वक्त जो संकट, परेशानियां होती है उनका हर तरह से ध्यान शिविर में सेवा करके, दवाई देकर रखा जाता है और 24 घंटे उनके खाने की उचित व्यवस्था भी शिविर में हर साल की तरह इस साल भी की गई। उन्होंने कहा कि यह कांवड़ शिविर शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन पर इसलिए लगाया गया है कि दिल्ली बार्डर से अंदर आने के बाद जब कांवड़ श्रद्धालु थक जाते है तो यहां उन्हें आराम करने के लिए उचित व्यवस्था मिलती है

केजरीवाल को नहीं मिली राहत 8 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी है। केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है।

यह आरोप लगाया गया है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए दिल्ली सरकार की 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति ने गुटबंदी की अनुमति दी और कुछ डीलरों का पक्ष लिया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी, इस आरोप का AAP ने बार-बार खंडन किया। बाद में नीति को रद्द कर दिया गया और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की सिफारिश की, जिसके बाद ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया।

ब्रिटिश संसद में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का कार्यक्रम प्रतिभाओं का सम्मान : प्रशस्ति पत्र व लंदन ट्रॉफी से

॥ मनोज शर्मा ॥

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत संस्था वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स के अध्यक्ष एवं सीईओ संतोष शुक्ला ने बताया कि संस्था द्वारा ब्रिटिश संसद में 30 देशों से आए व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल ब्रिटिश सांसद एवं शैडो मंत्री ऊर्जा, यूनाइटेड किंगडम सरकार की जॉय मोर्रिसी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान करना सराहनीय कदम है। इस अवसर पर इंग्लैंड की संसद में पाँच बार ब्रिटिश सांसद वीरेंद्र शर्मा, भारतीय संस्कृति को इंग्लैंड की धरती पर फैलाने वाले एच. एच. राज राजेश्वर गुरूजी, इसके साथ ही लंदन के पूर्व मेयर सुनील चोपड़ा, गुजरात के जडेजा परिवार के महेंद्र सिंह जडेजा, लंदन के वारंट ऑफिसर अशोक चौहान एमबीई का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में "लंदन प्रेस" मैगजीन का अतिथियों द्वारा विमोचन किया, साथ ही ब्रिटिश मूल की निवासी वंदना खुराना की "हनुमान चालीसा" व भारत के इंदौर निवासी जितेंद्र शर्मा की योग किताब "ग्रो हैल्थी" का भी विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में डेनमार्क से मनुएला डान, रोमानिया से मिरेला याकोब, मिरेला गैब्रिएला टैंक, अल्माटी से ईशानगलियेया ऐगुल मकसोटोवना, मेंडोजा से पाओला पेरेज लोपेज, इटली से चिआरा ओड़िआ, लंदन से एडिना क्रिस्टीना तुलबुरे, शकील मुल्लान, संदीप रुपारेलिए, कतर से डॉ थारुपीड़िकाईल सीथी शैलेजा, ओमान से डॉ शमा हुसैन और स्लोवेनिया से लिआम जुह्रत सहित 30 देशों के लोग शामिल हुए। सीईओ संतोष शुक्ला ने बताया कि इंदौर के सांसद शंकर लालवानी शामिल नहीं हो पाए, जिन्हें अगले कार्यक्रम में पुनः आमंत्रित किया जायेगा। उन्होंने कहा की इंदौर से इंग्लैंड तक पहुंचने वाली संस्था का अगला लक्ष्य संयुक्त राज्य अमेरिका है और जल्द ही संयुक्त राष्ट्र में भी कार्यक्रम किए जाएंगे। संस्था ने अल्प समय में ही अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाई है। संस्था के माध्यम से विश्व कीर्तिमान एवं उत्कृष्ट कार्य व समाज में योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का सम्मान किया जाता है। कार्यक्रम का आभार रोमानिया की कोरिना सुजडिया ने किया।

वरिष्ठ कांग्रेसजन का हालचाल जाना

जिला करोल बाग कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मदन खोरवाल वरिष्ठ कांग्रेस नेता कृष्ण कुमार मेहंदीरत्ता का हाल चाल जानने उनके निवास स्थान ओल्ड राजेन्द्र नगर गये, खोरवाल ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया, उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर ए. आई. सी. सी. मनीष चतरथ महासचिव डीपीसीसी नरेश शर्मा नीटू, ब्लॉक राजेन्द्र नगर कांग्रेस अध्यक्ष यज्ञपति उपाध्याय, ब्लॉक देवनगर अध्यक्ष जगदीश बड़सीवाल, नई दिल्ली लोकसभा सोशल मीडिया चेयरमैन भोपाल सिंह जाटव,सरदार हरिंदर सिंह काका, अमित सेठी, सन्दीप मलिक, देव नारायण भी थे।

बिहार विधानसभा में आरक्षण पर विपक्ष के हंगामे के बीच भड़के नीतीश कुमार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन भी विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष के सदस्य आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे थे। हंगामा के बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खड़े होकर कहा कि आपकी जो भी मांग है वह पहले ही पूरी हो चुकी है, इस पर हंगामा करने का कोई मतलब नहीं है।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य वेल में पहुंच गए। विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव बार-बार उन्हें अपनी जगह पर जाकर बात कहने का आग्रह करते रहे।

लेकिन, विपक्ष हंगामा करता रहा।

इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खड़े होकर कहा कि सरकार ने पहले ही जातीय गणना के बाद आरक्षण की सीमा को बढ़ा दिया है। इस पर पटना उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए भी सरकार द्वारा केंद्र सरकार को लिखा जा चुका है। इसके बाद इस मामले को लेकर हंगामे का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित गणना के बाद 94 लाख गरीबों की पहचान की गई है। उनके विकास के लिए सरकार ने दो-दो लाख रुपया देना शुरू कर दिया। इस दौरान, मुख्यमंत्री भड़कते भी दिखे। उन्होंने एक महिला विधायक को कहा, महिला हो, कुछ जानती हो? कहां से आते हैं, इन लोगों ने कुछ किया है? 2005 के बाद महिला को हमने ही आगे बढ़ाया है।

विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार ने बढ़ाए गए आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने को लेकर पहले ही प्रस्ताव भेज दिया है। उन्होंने कहा कि आप लोग सिर्फ 'सिम्पैथी' लेना चाहते हैं।

वहीं सदन में विपक्षी विधायकों के 'हाय हाय' के नारे लगाए जाने पर नीतीश कुमार खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि आप सब हाय हाय हैं। अगर हमारी बात नहीं सुननी है तो यह आपकी गलती है। हंगामा होता देख कर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को दो बजे दिन तक के लिए स्थगित कर दिया।

बिहार को न विशेष दर्जा मिला-न पैकेज नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने देश के आम बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि इस बजट में बिहार को न तो विशेष राज्य का दर्जा मिला, और न ही विशेष पैकेज दिया गया। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा।

शक्ति सिंह यादव ने कहा, न बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिला है और न ही पैकेज मिला है। योजनाओं की स्वीकृति पैकेज का हिस्सा नहीं होती। जब पैकेज मिलता है तो राज्य सरकार खुद तय करती है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्रियों को इतना तो दिमाग होना चाहिए।

उन्होंने कहा, सरकार को यह बताना चाहिए कि बिहार को जो मिला है, यह बैंक लोन है या राज्यांश, केंद्रांश का हिस्सा है या पीपीपी मोड पर है। बजट के माध्यम से बिहार में योजनाओं

की स्वीकृति हुई है, जो हर राज्यों में होती है, इसमें बिहार को विशेष पैकेज कहां मिला? इससे पहले बिहार में विशेष पैकेज से पहले विशेष दर्जे की बात चल रही थी, तो बिहार में ईडी का छापा पड़ जाता है।

उन्होंने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में कहा गया था कि विशेष राज्य का दर्जा हम लेकर रहेंगे, इसके लिए पत्रकार बंधुओं से सहयोग करने को भी कहा गया था। कहा गया था कि, सत्ता की चाबी मेरे पास है, लेकिन सत्ता की चाबी का कोई असर भी नहीं दिखा। जब देश का बजट बनता है तो केंद्र सरकार योजनाओं की स्वीकृति हर राज्य को देती है। ऐसे ही बिहार को भी मिला है।

शक्ति सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचेत अवस्था में, थके हुए हैं। उनको पता नहीं चल रहा है कि क्या मिला है, क्या नहीं। इसलिए उन पर हम टिप्पणी भी नहीं करते।

शंभू बॉर्डर पर बनी रहेगी यथास्थिति: सुप्रीम कोर्ट का आदेश

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अंबाला के पास शंभू सीमा पर यथास्थिति बनाए रखी जाए। शंभू बॉर्डर पर किसान 13 फरवरी से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अदालत ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को चरणबद्ध तरीके से बैरिकेड हटाने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है। शंभू सीमा पर चल रहे प्रदर्शनों के कारण जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए। शीर्ष अदालत ने किसानों और अन्य हितधारकों के बीच बातचीत की सुविधा के लिए एक स्वतंत्र समिति के गठन का भी प्रस्ताव दिया है। प्रतिष्ठित व्यक्तियों वाली इस समिति को किसानों की मांगों के लिए उचित, उचित और इसमें शामिल सभी पक्षों के हित में व्यवहार्य समाधान तलाशने का काम सौंपा जाएगा।

इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अनुरोध किया है कि पंजाब और हरियाणा सरकारें एक सप्ताह के भीतर संभावित समिति सदस्यों के नाम प्रस्तुत करें। यदि राज्य उपयुक्त सुझाव देने में विफल रहते हैं, तो अदालत समिति में उचित व्यक्तियों को नियुक्त करने की जिम्मेदारी लेगी।

यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा घोषणा के बाद हरियाणा सरकार ने अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैरिकेड्स लगा दिए थे कि किसान विभिन्न मांगों के समर्थन में दिल्ली तक मार्च करेंगे। जिसमें फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी शामिल है।

इससे पहले 12 जुलाई को शीर्ष अदालत ने संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए हरियाणा सरकार से बैरिकेड हटाने को कहा था और राजमार्ग को अवरुद्ध करने के उसके अधिकार पर सवाल उठाया था। शीर्ष अदालत ने हरियाणा सरकार की ओर से पेश वकील से कहा कि कोई राज्य किसी राजमार्ग को कैसे अवरुद्ध कर सकता है? यातायात को नियंत्रित करना उसका कर्तव्य है। हम कह रहे हैं कि इसे खोलें लेकिन नियंत्रित करें।

आम आदमी पार्टी को केंद्र ने अलॉट किया नया ऑफिस

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

ताजा घटनाक्रम में आम आदमी पार्टी (आप) का पार्टी मुख्यालय कार्यालय बदल दिया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आप) को एक नया कार्यालय सौंपा है। AAP मुख्यालय अब बंगला नंबर 1, रविशंकर शुक्ला लेन, नई दिल्ली में स्थित होगा। जून में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने AAP को अपने कार्यालय के निर्माण के लिए स्थायी भूमि आवंटित होने तक सामान्य पूल से आवास इकाई का उपयोग करने का अधिकार दिया।

अदालत ने केंद्र को छह सप्ताह के भीतर आप के प्रतिनिधित्व पर फैसला करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, AAP को अपना वर्तमान पार्टी कार्यालय 15 जून तक

खाली करना होगा। यह शीर्ष अदालत द्वारा नोट किए जाने के बाद आया कि AAP का पार्टी कार्यालय दिल्ली उच्च न्यायालय के विस्तार के लिए आवंटित भूमि पर है। आप की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने उच्च न्यायालय को बताया था कि एक राष्ट्रीय पार्टी तब तक अस्थायी कार्यालय की हकदार है जब तक उसे स्थायी कार्यालय के निर्माण के लिए जमीन आवंटित नहीं की जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि केवल दबाव या अनुपलब्धता आप की याचिका को खारिज करने का कोई आधार नहीं है। अदालत ने केंद्र को छह सप्ताह के भीतर एक तर्कसंगत आदेश के माध्यम से अस्थायी आवास के लिए आप के प्रतिनिधित्व पर निर्णय लेने का निर्देश जारी किया था। अदालत ने माना कि AAP सामान्य पूल से एक आवास इकाई का उपयोग करने की हकदार है और केवल दबाव या अनुपलब्धता AAP की याचिका को अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। आप ने एक याचिका दायर कर एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल होने के नाते अपने कार्यालयों के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित करने के लिए उच्च न्यायालय से केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी।

दिल्ली में केदारनाथ मंदिर को लेकर भड़की कांग्रेस

हरकी पौड़ी से शुरू की 'केदारनाथ बचाओ पद यात्रा'

॥ जगन नेगी ॥

उत्तराखंड कांग्रेस ने दिल्ली में हिमालयी मंदिर की प्रतिकृति के प्रस्तावित निर्माण के खिलाफ केदारनाथ तक विरोध मार्च शुरू किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण महरा, उपाध्यक्ष मथुरादत्त जोशी और कई अन्य पार्टी नेताओं ने हरिद्वार में हर की पैड़ी पर गंगा नदी के तट पर पूजा और हवन किया और 'केदारनाथ बचाओ' यात्रा शुरू करने से पहले संतों का आशीर्वाद लिया। पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत भी हरिद्वार में यात्रा में शामिल हुए। यात्रा लगभग 16 दिनों में समाप्त होने की संभावना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के इस महीने की शुरूआत में आयोजित शिलान्यास समारोह में शामिल होने के बाद से कांग्रेस दिल्ली के बुराड़ी इलाके में केदारनाथ मंदिर की प्रतीकात्मक प्रतिकृति के प्रस्तावित निर्माण का जोरदार विरोध कर रही है। कांग्रेस का मानना है कि दिल्ली में मंदिर की नकल बनाना उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सदियों पुराने मंदिर की पवित्रता के खिलाफ है। रावत ने कहा कि हमारे चार धाम हमारी आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतीक हैं। हम हमेशा उनके साथ छेड़छाड़ के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे। महरा ने दिल्ली में मंदिर की आधारशिला रखने के लिए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और कहा कि इसके निर्माण के पीछे के ट्रस्ट का नाम धाम के नाम पर है और वह क्यूआर कोड के माध्यम से दान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने ट्रस्ट से जुड़े लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की और पूछा कि उनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

आम बजट में केवल सहयोगियों को खुश करने की कोशिश

॥ उमेश जोशी ॥

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आम बजट को लेकर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने केंद्र के आम बजट को 'कुर्सी बचाओ बजट' बताया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार के बजट को 'कॉपी पेस्ट' भी कहा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कुर्सी बचाओ बजट। सहयोगियों को खुश करने की कोशिश की गई है। अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे किए गए। इसमें आम भारतीय को कोई राहत नहीं दी गई। उन्होंने बजट को कांग्रेस के घोषणापत्र और पिछले बजट का कॉपी पेस्ट भी बताया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सकार के बजट पर निशाना साधते हुए लिखा, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाई मोदी सरकार का नकलची बजट। मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बांट रहा है, ताकि एनडीए बची रहे। ये देश की तरक्की का बजट नहीं, मोदी सरकार बचाओ बजट है। 10 साल बाद उन युवाओं के लिए सीमित घोषणाएं हुईं हैं, जो सालाना दो करोड़ नौकरियों के जुमले को झेल रहे हैं। किसानों के लिए केवल सतही बातें हुईं हैं, डेढ़ गुना एमएसपी और आय दोगुना करना - सब चुनावी धोखेबाजी निकली।

उन्होंने लिखा, ग्रामीण वेतन को बढ़ाने का इस सरकार का कोई इरादा नहीं है। दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक, माध्यम वर्ग और गांव-गरीब लोगों के लिए कोई भी क्रांतिकारी योजना नहीं है, जैसी कांग्रेस-यूपीए ने लागू की थी। 'गरीब' शब्द केवल स्वयं की ब्रांडिंग करने का जरिया बन गया है, ठोस कुछ भी नहीं है। महिलाओं के लिए इस बजट में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक क्षमता बढ़े और वो वर्कफोर्स में अधिक से अधिक शामिल हों। उल्टा महंगाई पर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर वो पूंजीपति मित्रों में बांट रही है।

उन्होंने लिखा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जन-कल्याण और आदिवासियों पर बजट में आवंटन से कम खर्च किया है, क्योंकि ये भाजपा की प्राथमिकताएं नहीं हैं। इसी तरह कैपिटल एक्सपेंडिचर पर 1 लाख करोड़ कम खर्च किया है, तो फिर नौकरियां कहां से बढ़ेंगी? शहरी विकास, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना , मैन्युफैक्चरिंग, एमएसएमई, इन्वेस्टमेंट, ईवी योजना - सब पर केवल डॉक्यूमेंट, पॉलिसी, विजन, रिव्यू आदि की बात की गई है, पर कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। आए दिन रेल हादसे हो रहें हैं, ट्रेनों को बंद किया गया है, कोच की संख्या घटी है, आम यात्री परेशान हैं पर बजट में रेलवे के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, कोई जवाबदेही नहीं है।

खड़गे ने आगे लिखा, जनगणना व जातिगत जनगणना पर भी कुछ नहीं बोला गया है, जबकि ये पांचवा बजट है, जो बिना जनगणना के प्रस्तुत किया जा रहा है! ये हैरान कर देने वाली अप्रत्याशित नाकामी है - जो लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है ! 20 मई 2024, यानि चुनाव के दौरान ही, पीएम मोदी ने एक साक्षात्कार में दावा किया था कि 100 दिनों का एक्शन प्लान हमारे पास पहले से ही है। जब एक्शन प्लान, दो महीने पहले था, तो कम से कम बजट में ही बता देते। बजट में न कोई प्लान है, और भाजपा केवल जनता से धोखेबाजी करने के एक्शन में व्यस्त है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, केंद्रीय बजट और कुछ नहीं बल्कि सरकार बचाओ बजट है, जो इस लंगड़ी सरकार के अस्तित्व को बचाने की राजनीतिक मजबूरियों से प्रेरित है। इससे महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा और मध्यम वर्ग के लिए तो कुछ भी नहीं होगा। पिछले 10 बजटों की तरह यह केंद्रीय बजट भी आम भारतीय की चिंताओं से कोसों दूर है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए लिखा, हालांकि, सरकार ने देर से ही सही, यह तो मान लिया है कि रोजगार सृजन समय की मांग है, लेकिन उसकी तथाकथित घोषणाएं पूरी तरह से कपटी और गैर-गंभीर हैं। वे हमारे न्याय पत्र की ठीक से नकल भी नहीं कर पाए। केवल बड़ी-बड़ी सुर्खियां बनाना, जबकि वास्तविकता में बहुत कम जानकारी देना, भारत के युवाओं के भविष्य के साथ क्रूर मजाक के अलावा और कुछ नहीं है। इस बजट के बाद भारतीय समाज का हर वर्ग और भी बदतर स्थिति में पहुंच जाएगा और लोगों के दर्द से पूरी तरह कटी यह सरकार सिर्फ अपने अस्तित्व की चिंता करेगी।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना महाराष्ट्र में अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 200 से 250 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा की। उन्होंने राज्य के प्रशासन की तीखी आलोचना की, महायुति गठबंधन की योजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता पर सवाल उठाया, और चुनाव के लिए पार्टी की आंतरिक अटकलों और तैयारियों को संबोधित किया।

ठाकरे ने महायुति गठबंधन की योजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता को चुनौती देते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पास गड्ढों की मरम्मत के लिए धन की कमी है। वे 'लाडली बहन' और 'लाडला भाई' के लिए धन कैसे जुटाएंगे? राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भीतर आंतरिक कलह पर टिप्पणी करते हुए, ठाकरे ने कहा, "अगर लाडला भाई और बहन दोनों एक साथ खुश होते, तो पार्टी विभाजित नहीं होती।"

वर्तमान राजनीतिक भ्रम पर प्रकाश डालते हुए, ठाकरे ने कहा, "कोई यह नहीं बता सकता कि कौन सा विधायक किस पार्टी में है। आगामी चुनावों में, इन पार्टियों के बीच घमासान लड़ाई होगी।" अपनी ही पार्टी के भीतर दलबदल की अफवाहों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने घोषणा की, "मैंने सुना है कि मेरी पार्टी के कुछ लोग भी किसी में शामिल होना चाहते हैं। मैं उनके लिए रेड कार्पेट बिछाता हूं। वे तुरंत जा सकते हैं।"

चुनाव की तैयारी में, ठाकरे ने खुलासा किया कि मनसे विभिन्न जिलों में सर्वेक्षण कर रहा है। "आजकल सर्वे का चलन है। इसलिए मैंने सर्वे करने के लिए हर जिले के लिए 4 से 5 सदस्यों को नियुक्त किया था। उन्होंने इन क्षेत्रों के प्रमुख लोगों और पत्रकारों से बात की। अब यह टीम दूसरे दौर में बात करने के लिए फिर आएगी।" उन्हें वास्तविक प्रतिक्रिया दें," उन्होंने आग्रह किया। ठाकरे ने घोषणा की कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ विस्तृत चर्चा के लिए 1 अगस्त से महाराष्ट्र का दौरा शुरू करेंगे।

ईडी ने मेरा नाम लेने के लिए अधिकारी को धमकाया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया का कहना है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने आदिवासी कल्याण विकास बोर्ड के पूर्व प्रबंध निदेशक बी. कल्लेश को घोटाले में उनका नाम लेने के लिए धमकाया।

सीएम सिद्दारमैया ने कहा, ईडी ने अधिकारी बी. कल्लेश पर गिरफ्तारी, मानसिक दबाव बनाया और मुझे मामले में कानूनी रूप से फंसाने के लिए जान से मारने तक की धमकी दी। कल्लेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने अपनी आपबीती बताई। सीएम ने विधानसभा में विरोध प्रदर्शन करते हुए ईडी की कथित मनमानी की निंदा की।

सीएम ने कहा कि मृतक चंद्रशेखरन की पत्नी कविता की ओर से लगाए गए आरोपों और पद्मनाभ की शिकायत की जांच सही ढंग से आगे बढ़ रही है। बैंक की ओर दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, बैंक के महाप्रबंधक, उप प्रबंधक और ऋण अधिकारी इस कदाचार के लिए जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि उन्होंने क्या किया है। ईडी ने खुद ही जांच शुरू की और पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र और आदिवासी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दल के घरों पर छापेमारी की।

सीएम ने कहा कि नागेंद्र न्यायिक हिरासत में हैं। कल्लेश के बोलने के बावजूद ईडी उन पर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के नाम देने का दबाव बना रही है। कुल 187.33 करोड़ रुपये में से 43.33 करोड़ रुपये राजकोष से लिए गए हैं। न तो मैं और न ही वित्त विभाग इससे संबंधित है।

सीएम ने आगे कहा, हमने यह नहीं कहा है कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति कल्याण विकास निगम में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। विपक्ष ने बार-बार हम पर 187.33 करोड़ रुपये के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। इसमें से 89.63 करोड़ रुपये यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (एमजी रोड शाखा) से तेलंगाना में ट्रांसफर किए गए।

उन्होंने कहा कि एसआईटी के गठन के बाद जांच तेजी से आगे बढ़ी है। अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 34 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। 89.63 करोड़ रुपये में से 46 करोड़ रुपये फर्स्ट फाइनेंस को-ऑपरेटिव बैंक और रत्नाकर बैंक लिमिटेड में जमा हैं।

उन्होंने कहा कि कुल 85.25 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं। कदाचार में शामिल कुल राशि 85.63 करोड़ रुपये है। एसआईटी ने 95 प्रतिशत जांच पूरी कर ली है।

उन्होंने कहा कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति कल्याण विकास निगम में अनियमितताओं की जांच तीन जांच एजेंसियां कर रही हैं। 31 मई 2024 को एसआईटी का गठन किया गया था और बैंक की ओर से 3 जून 2024 को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने कहा कि इस शिकायत में सुचिस्मिता रावल, दीपा और कृष्णमूर्ति शामिल हैं।

किसान नेताओं से मिले राहुल गांधी

एमएसपी को लेकर मोदी सरकार पर दबाव बनाएगा इंडिया

॥ देव सागर सिंह ॥

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 7 किसान नेताओं से मुलाकात की। संसद में राहुल गांधी से मुलाकात करने देशभर से किसान नेताओं का प्रतिनिधिमंडल आया। बैठक में सांसद केसी वेणुगोपाल, राजा बराड़, सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला, धर्मवीर गांधी, डॉ. अमर सिंह, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और जय प्रकाश मौजूद थे। बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी का जिक्र किया है।

कांग्रेस ने आकलन किया कि इस लागू किया जा सकता है। अभी हमारी एक बैठक हुई है, इसमें तय हुआ है कि हम इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं से बात कर मोदी सरकार पर दबाव डालेंगे कि किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए। किसान नेताओं में जगजीत सिंह एसकेएम (एनपी) पंजाब, लकविंदर सिंह एसकेएम (एनपी) हरियाणा, शांता कुमार एसकेएम (एनपी) कर्नाटक, अभिमन्यु एसकेएम (एनपी) हरियाणा, नल्लामाला वेंकटेश्वर राव एसकेएम (एनपी) तेलंगाना, पांडियन रामलिंगम एसकेएम (एनपी) तमिलनाडु, तेजवीर सिंह केएमएम हरियाणा, सरवन सिंह पंढेर केएमएम पंजाब, सुरजीत सिंह (केएमएम) पंजाब, रमनदीप सिंह मान (केएमएम) पंजाब, गुरमनीत सिंह (केएमएम) उत्तर प्रदेश और अमरजीत सिंह (केएमएम) हरियाणा मौजूद थे। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक के किसान नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी को किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। किसान नेताओं को संसद में आने की अनुमति राहुल गांधी को किसानों से बाहर जाकर मुलाकात करने का फैसले के बाद मिली। राहुल गांधी ने बैठक से पहले कहा था कि हमें अपने कार्यालय में किसानों से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने के लिए महिला कांग्रेस देशभर में आंदोलन करेगी

महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने के लिए महिला कांग्रेस देशभर में आंदोलन शुरू करेगी

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) 29 जुलाई को दिल्ली से देशभर में अभियान शुरू करेगी, जिसमें महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने, महिलाओं को मासिक नकद सहायता देकर आर्थिक आजादी दिलाने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की मांग की जाएगी।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि अभियान जंतर-मंतर से शुरू किया जाएगा और देश की आधी आबादी की मांगें पूरी होने और उन्हें उनके अधिकार और सुरक्षा दिए जाने तक हर राज्य, हर जिले, हर शहर और हर गांव तक पहुंचेगा।

सुश्री लांबा ने कहा कि मोदी सरकार ने 2024 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून पारित कर दिया था, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लंबित रखा। आरक्षण कानून को तुरंत लागू किया जाना चाहिए ताकि हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र (जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं) की महिलाएं इस कानून का लाभ उठा सकें।

महालक्ष्मी योजना

उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना, जिसका वादा कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में किया था, देश भर में हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना 1 लाख रुपये की नकद सहायता की गारंटी भी देगी।

देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि पिछले 6 महीनों में राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 20,000 मामले सामने आए हैं।

सुश्री लांबा ने जोर देकर कहा कि देश भर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध इस बात का संकेत हैं कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं है और उन्होंने मध्य प्रदेश के रीवा में दो महिलाओं को जिंदा दफनाने की घटना का जिक्र किया।

महिला कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने आश्वासन दिया है कि इन मुद्दों को संसद के दोनों सदनों में उठाया जाएगा।

कश्मीर में कुछ नहीं बदल पाई मोदी सरकार

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने नागरिकों से जम्मू-कश्मीर की यात्रा न करने की अमेरिका नए ट्रैवल एडवाइजरी पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जमीनी स्थिति नहीं बदली है। नरेंद्र मोदी सरकार के नया जम्मू-कश्मीर वादे पर तंज कसते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लगातार अमेरिकी यात्रा सलाह का निशाना बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के उपाध्यक्ष ने ट्वीट करते हुए कहा कि अमेरिकी नागरिकों को जम्मू-कश्मीर का दौरा न करने के लिए कहने में, सलाह 'आतंकवादी हमलों' और 'हिंसक नागरिक अशांति' के साथ-साथ नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ भारतीय और पाकिस्तानी बलों के बीच 'छिटपुट हिंसा' की ओर इशारा करती है।

उन्होंने आगे कहा कि नए जम्मू-कश्मीर के लिए बहुत कुछ। सामान्य स्थिति, शांति, पर्यटन और श्रीनगर में जी20 तमाशा की सभी चचाओं के बावजूद, जम्मू-कश्मीर अमेरिकी विदेश विभाग की यात्रा सलाह का लक्ष्य बना हुआ है। मोदी सरकार कुछ भी बदलने में सक्षम नहीं है।

अब्दुल्ला की यह टिप्पणी संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अमेरिकियों से मणिपुर, जम्मू-कश्मीर, भारत-पाकिस्तान सीमा और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों की यात्रा न करने का आग्रह करने के एक दिन बाद आई है, जहां माओवादी सक्रिय हैं। परामर्श में उनसे पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर के दौरे पर 'पुनर्विचार' करने को भी कहा गया।

मधुर भंडारकर ने पम्मा को बिजनेस आइकन अवार्ड से किया सम्मानित

दिल्ली में फ्रेंचाइजी एक्सपो और फ्रेंचाइजी बिजनेस आइकन अवार्ड का सफलतापूर्वक आयोजन आशीष कुमार अग्रवाल व शिवानी अग्रवाल द्वारा होटल होलीडे इन मयूर विहार में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्देशक पद्म श्री मधुर भंडारकर उपस्थित थे जिन्हें उनकी कई फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। मधुर भंडारकर ने सभी उद्यमियों का प्रोत्साहन किया और बिजनेस आइकन अवार्ड से कई उद्यमियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर एंग्री मैन का खिताब पा चुके नेशनल अकाली दाल के अध्यक्ष व फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा को मधुर भंडारकर ने सम्मानित किया।

फोटो : कमलजीत

दिल्ली को आधुनिक दिल्ली बनाने में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शीला दीक्षित जी का बहुत बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में दिल्ली ने शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण.. हर क्षेत्र में उन्नति की। स्व. शीला दीक्षित जी की 5 वीं पुण्यतिथि पर दिल्ली में एक श्रद्धांजलि सभा रखी गई। जिसमें दिल्ली के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं ने शीला जी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

6वां नीरज काव्यांजलि समारोहः हिंदी के कवि और उर्दू के शायर दोनों थे नीरजः जावेद अख्तर

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में महाकवि गोपाल दास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट, हिंदी अकादमी और प्रेस क्लब इंडिया द्वारा आयोजित 6वां नीरज काव्यांजलि समारोह में प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर को नीरज सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। भारत एक्सप्रेस के चेयरमैन और महाकवि गोपालदास नीरज फाउंडेशन ट्रस्ट के संरक्षक उपेन्द्र राय ने कवि और लेखक जावेद अख्तर को 'महाकवि नीरज सम्मान-2024' से सम्मानित किया.

इस दौरान उपेन्द्र राय ने लेखक जावेद अख्तर को बहुत बड़ी शख्सियत बताया. उन्होंने कहा, मैं कह सकता हूं की मैं अपने जीवन में कुछ वक्ताओं से प्रभावित हुआ हूं, ओशो आचार्य रजनीश का नाम सबसे पहले लेता हूँ दूसरे नम्बर पर मैं अटल बिहारी वाजपेयी का नाम लेता हूं और तीसरे नम्बर पर जावेद साहब का नाम लेता हूँ। जो उनकी वाक कला है, मर्मज्ञता है विषय के बारे में

फोटो : जगन नेगी

कमाल की है और चौथे नम्बर पर मैं बड़े भाई कुमार विश्वास का नाम लेता हूं।

इस सम्मान को प्राप्त करते हुए जावेद अख्तर ने कहा, " मुझे इतनी इज्जत देने के लिए मैं बहुत –बहुत आभारी हूं। मेरी जिंदगी में दो आदमी रहे जिनकी मैं बहुत इज्जत करता हूं, उसमें से एक है नीरज। अगर हिंदी के कवि और उर्दू के शायर दोनों एक ही जगह कहीं मिल जाएं तो समझ लेना कि वो नीरज होंगे। हालांकि अब वह हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके लिखे शब्द अभी भी सभी के जहन में रहते हैं।"

जावेद अख्तर ने अपने उत्कृष्ट गीतों और शायरी के माध्यम से हिंदी साहित्य और सिनेमा को समृद्ध किया है और एक अलग पहचान बनाई है। जिसके चलते ही उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर साहित्यकार और अभिनेता अनु कपूर, फिल्म निमार्ता बोनी कपूर, फिल्म निमार्ता रूमी जाफरी और फाउंडेशन ट्रस्ट के संरक्षक उपेंद्र राय भी उपस्थित रहे। इसके अलावा देश के प्रसिद्ध कवि सुरेंद्र शर्मा, बुद्धिनाथ मिश्र, और प्रताप सोमवंशी जैसे विशिष्ट साहित्यकारों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। जबकि मध्यप्रदेश सरकार में खेलकूद–सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग मुख्य अतिथि थे । एडीजीपी पंजाब पुलिस अति विशिष्ट अतिथि और हिंदी अकादमी सचिव रिषी कुमार एवं यूपी सरकार में पूर्व एमएलसी रामनरेश यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इस मौके पर साहित्यकार और अभिनेता अनु कपूर ने कहा, " हम अच्छे हैं या बुरे, जैसे भी है कला का काम करते हैं स्मगलिंग का नहीं। पिछले 19 साल में जावेद जी ने जितने गीत लिखे हैं, उनमें जिंदगी का कोई न कोई फलसफा रहा है। उन्हें जो इज्जत आज इस मंच पर दी गई है और जिनके नाम से ये उन्हें दी जा रही है, यह हमारे लिए गर्व की बात है।"

फिल्म निमार्ता बोनी कपूर ने कहा, " जावेद जी कहते हैं कि फिल्म की कहानी हमें जोड़ती है। मैं उनसे पूरी तरह से सहमत हूं और एक चीज कहना चाहूंगा कि फिल्म की भाषा भी ऐसी होनी चाहिए जैसे आम आदमी की भाषा, तभी फिल्म की कहानी भी आम आदमी से जुड़ती है। तभी फिल्में भी सफल होती हैं।" फिल्म निमार्ता रूमी जाफरी ने कहा, " मैं इतना खुशनसीब हूं कि मैं उस इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं जिसमें नीरज जी और जावेद जी ने काम किया है। बोनी कपूर मेरी फैमिली और अनु कपूर जी मेरे बड़े भाई है। नीरज जी ने म्यूजिक इतिहास के बहुत खुबसूरत गीत लिखे हैं। उनका एक गीत आज फिर जीतने की तमन्ना है. आज भी बहुत लोकप्रिय है। और इस कार्यक्रम के लिए सबका मैं धन्यवाद करना चाहता हूं।

कार्यक्रम के दौरान जावेद अख्तर की साहित्यिक यात्रा और उनके योगदान पर विशेष चर्चा की गई। इसके साथ ही उनकी कुछ प्रमुख रचनाओं का वर्णन भी किया गया, जिससे दर्शकों को उनकी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय प्राप्त हो सका। अन्य आमंत्रित कवियों ने भी अपनी कविताओं के माध्यम से इस साहित्यिक समारोह में रंग भरे। नीरज काव्यांजलि समारोह का उद्देश्य हिंदी साहित्य और कविता को प्रोत्साहन देना और नए कवियों को प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों को एक अद्वितीय काव्य संध्या का आनंद लेने का अवसर मिला।

स्वतंत्रता सेनानी लाला राम चरण अग्रवाल को श्रद्धांजलि

फोटो : राजीव गुप्ता

फोटो : नरेंद्र कुमार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

महान स्वतंत्रता सेनानी तथा दिल्ली के प्रथम उप महापौर, लाला राम चरण अग्रवाल को उनकी पुण्यतिथि पर पूर्व सांसद जे.पी. अग्रवाल, सेवा दल के अध्यक्ष लालजी देसाई, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री मंगतराम सिंघल, दिल्ली प्रदेश कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व पार्षद अनिल भारद्वारज, राष्ट्र टाइम्स के संपादक विजयशंकर चतुर्वेदी ने बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर आत्मप्रकाश अग्रवाल, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल, वाहिद कुरैशी, पूर्व महानगर पार्षद विजय लोचव, चौधरी चतर सिंह, चौधरी सुभाष, श्रीमती सुरेशवती चौहान, अमित त्यागी, नरेश शर्मा 'नीटू', श्रीमती रमा आर्या, राजेश प्रजापति, मो. ताहिर, पूर्व पार्षद आरबी सिंह, राकेश कुमार, निगम पार्षद किरण वाला, सतीश सैनी, हरीदत्त शर्मा, मनोज गुप्ता, पिंकी साहनी, चौधरी नत्थू सिंह, पी.डी गौतम, राधेश्याम, मसूद जिया, राजेश शर्मा 'काले भाई' चौधरी देगराज, अजय अग्रवाल, जग्गी, एल्डरमैन सत्येन्द्र शर्मा, मुरारी लाल, राजेश गर्ग, प्रेम गौतम, ओमप्रकाश तंवर, खेमचंद सैनी, बाबूभाई सैनी, सतीश शर्मा, हासिर खान, ओमप्रकाश और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। स्वर्गीय राम चरण अग्रवाल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि लाला रामचरण अग्रवाल स्वाधीनता के समय अग्रणी नेताओं में थे और वे महान देश भक्तों की श्रेणी में आते हैं। स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण वे कई बार जेल भी गये। उनका समस्त जीवन लोक कल्याण के कार्यों के प्रति समर्पित रहा है। श्री अग्रवाल ने लाला राम चरण अग्रवाल जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर मैंने जन मानस की सेवा की और विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज सेवा के दायित्वों का निर्वहन कर रहा हूं तथा आप सभी को भी उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए आह्वान करता हूं।

सबको स्वीकार करते हैं भगवान शिव

महादेव, महायोगी, गृहस्थ, तपस्वी, अघोरी, नर्तक...। अगर किसी एक व्यक्ति में इस सृष्टि की सारी विशेषताओं का जटिल समिश्रण मिलता है तो वह शिव हैं। यदि आपने शिव को स्वीकार कर लिया तो आप जीवन से परे जा सकते हैं। आमतौर पर पूरी दुनिया में लोग जिसे भी दैवीय या दिव्य मानते हैं, उसका वर्णन हमेशा अच्छे रूप में ही करते हैं, लेकिन यदि आप शिव पुराण पढ़ें तो आपको उसमें कहीं भी शिव का उल्लेख मात्र अच्छे या मात्र बुरे के तौर पर नहीं मिलेगा।

उनका उल्लेख सुंदरमूर्ति के तौर पर हुआ है, जिसका मतलब वह 'सबसे सुंदर' हैं। लेकिन इसी के साथ उसमें यह भी उल्लेख है कि शिव से ज्यादा भयावह भी कोई और नहीं हो सकता। क्योंकि वहां उन्हें एक अघोरी के रूप में भी दशार्या गया है। यदि आपने शिव को स्वीकार कर लिया तो आप जीवन से परे जा सकते हैं। इंसान के जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष यह चुनने का प्रयास है कि क्या सुंदर है और क्या असुंदर, क्या अच्छा है और क्या बुरा? लेकिन यदि आप हर वस्तु के इस संगम वाले व्यक्तित्व को केवल स्वीकार कर लेते हैं तो फिर आपको कोई समस्या नहीं रहेगी।

वे सबसे सुंदर हैं तो सबसे भद्दे और बदसूरत भी। यदि वे सबसे बड़े योगी व तपस्वी हैं तो सबसे बड़े गृहस्थ भी। वे सबसे अनुशासित भी हैं, सबसे बड़े नशेड़ी भी। वे महान नर्तक हैं तो पूर्णतः स्थिर भी। इस दुनिया में देवता, दानव, राक्षस सहित हर तरह के प्राणी उनकी उपासना करते हैं। शिव की कहानियों में शिव का सार निहित है। उनके लिए कुछ भी घिनौना व अरुचिकर नहीं है। शिव ने मृत शरीर पर बैठकर अघोरियों की तरह साधना की है।

घोर का मतलब है-भयंकर और अघोरी का मतलब है कि 'जो भयंकरता से परे हो'। शिव एक अघोरी हैं, वह भयंकरता से परे हैं। शिव हर चीज और सबको अपनाते हैं। ऐसा वे किसी सहानुभूति, करुणा या भावना के चलते नहीं करते। वे सहज रूप से ऐसा करते हैं, क्योंकि वे जीवन की तरह हैं। जीवन सहज ही हरेक को गले लगाता व अपनाता है। समस्या सिर्फ आपके साथ है कि आप किसे अपनाएं व किसे छोड़ें, इस प्रश्न में उलझे हैं। यह समस्या मानसिक है, जीवन की नहीं।

यदि आपका शत्रु आपके बगल में बैठा है तो आपके भीतर मौजूद जीवन को उससे भी कोई दिक्कत नहीं होगी। अस्तित्व के स्तर पर देखा जाए तो कोई समस्या नहीं है। भारत में आध्यात्मिक प्रकृति की बात करें तो हर किसी का एक ही लक्ष्य रहा है-मुक्ति। आज भी हर व्यक्ति मुक्ति शब्द का अर्थ जानता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश में आध्यात्मिक विकास और मानवीय चेतना को आकार देने का काम शिव ने किया है।

आदियोगी शिव ने ही इस संभावना को जन्म दिया कि मानव जाति अपने मौजूदा अस्तित्व की सीमाओं से भी आगे जा सकती है। संसारिकता में रहना है, लेकिन इसी का होकर नहीं रह जाना है। अपने शरीर और दिमाग को हर संभव इस्तेमाल करना है, लेकिन उसके कष्टों को भोगने की आवश्यकता नहीं है। कहने का अर्थ यह है कि जीने का एक और भी तरीका है। शिव ही थे, जिन्होंने मानव मन में योग का बीज बोया। योग विद्या के मुताबिक 15 हजार वर्ष से भी पहले शिव ने सिद्धि प्राप्त की और हिमालय पर एक प्रचंड और भाव विभोर कर देने वाला नृत्य किया।

वे कुछ देर परमानंद में पागलों की तरह नृत्य करते, फिर शांत होकर पूरी तरह से निश्चल हो जाते। उनके इस अनोखे अनुभव के बारे में कोई कुछ नहीं जानता था। अंततः लोगों की दिलचस्पी बढ़ी और वे इसे जानने को उत्सुक होकर धीरे-धीरे उनके पास पहुंचने लगे। लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा क्योंकि आदि योगी तो इन लोगों की मौजूदगी से पूरी तरह बेखबर थे। उन्हें यह पता ही नहीं चला कि उनके इर्दगिर्द क्या हो रहा है! उन लोगों ने वहीं कुछ देर इंतजार किया और फिर थक हारकर वापस लौट आए। लेकिन उन लोगों में से सात लोग (सप्तऋषि) ऐसे थे, जो थोड़े हठी किस्म के थे।

उन्होंने ठान लिया कि वे शिव से जानकर ही रहेंगे। अंत में उन्होंने शिव से प्रार्थना की, उन्हें इस रहस्य के बारे में बताएं। शिव ने उनकी बात नहीं मानी और कहने लगे, ह्लयदि तुम अपनी इस स्थिति में लाखों वर्ष भी बिता दोगे तो भी इस रहस्य को नहीं जान पाओगे। इसके लिए अधिक तैयारी की आवश्यकता है। यह मनोरंजन नहीं है। ये सात लोग कहां पीछे हटने वाले थे। शिव की बात को उन्होंने चुनौती की तरह लिया और तैयारी शुरू कर दी। दिन, सप्ताह, महीने, साल गुजरते गए और ये लोग तैयारियां करते रहे, लेकिन शिव थे कि उन्हें नजरअंदाज करते जा रहे थे। 84 वर्षों की लंबी साधना के बाद आदियोगी शिव ने इन सात तपस्वियों को देखा तो पाया कि साधना करते-करते वे इतने पक चुके थे कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए तैयार थे। शिव ने इन सातों का गुरु बनने का निर्णय लिया। इस तरह शिव ने स्वयं को आदिगुरु में रूपांतरित कर लिया। केदारनाथ से थोड़ा ऊपर जाने पर एक झील है, जिसे कांति सरोवर कहते हैं। इस झील के किनारे शिव दक्षिण दिशा की ओर मुड़कर बैठ गए और अपनी कृपा लोगों पर बरसानी शुरू कर दी। इस तरह योग विज्ञान का संचार होना शुरू हुआ।

ये गलतियां पूजा करते वक्त पड़ सकती हैं भारी

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। पूजा-पाठ करते वक्त पूरे विधि-विधान का ध्यान रखना जरूरी होता है। यदि विधि-विधान से पूजा न की जाए,तो उसे पूर्ण नहीं माना जाता है। ऐसे में पूजा करते वक्त जहां एक ओर कुछ बातों का खास ध्यान देना चाहिए। तो वहीं, दूसरी ओर पूजा करते वक्त गलतियां न हों इसका भी ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको उन गलतियों के बारे में बताएंगे जिन्हें करने से भगवान रुष्ट हो सकते हैं। अगर आप भी यह गलतियां कर रहे हैं, तो तुरंत इसमें बदलाव करें।

1. पूजा की शुरूआत कर रहे हैं, तो सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन करें तभी सफलता प्राप्त होगी। गणेश जी को तुलसी दल कभी भूल कर भी अर्पित न करें। ऐसा करने से दोष लगता है।

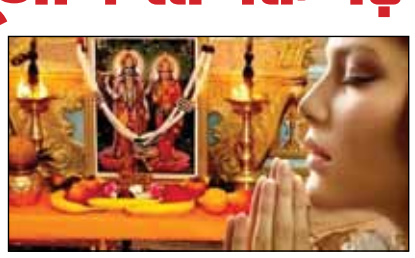

2. शिव जी की पूजा कर रहे हैं, तो ध्यान दें कि उन्हें कभी भी केतकी का फूल न अर्पित करें। पौराणिक कहानियों की मानें तो भगवान शिव ने केतकी को एक श्राप दिया था और वे उनसे रुष्ट रहते हैं। ऐसे में उन्हें केतकी का फूल न चढ़ाएं तो सही रहेगा।

3. पूजा से पूर्व जब भगवान की मूर्तियों को स्नान करवाते हैं, तो सिर्फ उंगलियों का इस्तेमाल करें। उन्हें स्नान करवाते वक्त अंगूठे का इस्तेमाल न करें। यदि इस दौरान अंगूठे का उपयोग किया तो काम बनते-बनते बिगड़ सकते हैं।

4. पूजा के दौरान दीपक जलाएं तो उसे हमेशा भगवान की चौकी पर ही रखें। उसे धरती पर न रखें, इसे अशुभ माना गया है।

5. हिंदू धर्म में पूजा के वक्त अगरबत्ती का उपयोग वर्जित है। दरअसल, अगरबत्ती बांस की लकड़ी से बनाई जाती है। बता दें कि बांस की लकड़ी का इस्तेमाल हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार के लिए किया जाता है।

6. यदि तुलसी जी की पूजा प्रतिदिन करते हैं, तो रविवार के दिन ऐसा करने से बचें। रविवार के दिन तुलसी को हाथ नहीं लगाया जाता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होने की बजाय रुष्ट हो जाएंगे।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक
28 जुलाई से 3 अगस्त 2024

मेष: राशि के जातकों के लिए बीते सप्ताह के मुकाबले यह सप्ताह अधिक शुभ और अनुकूल फल देने वाला साबित होगा,हालांकि इसके बावजूद आपको करिअर-कारोबार आदि को लेकर किसी पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचना चाहिए,अन्यथा आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। विशेष रूप से मौसमी बीमारियां आपकी परेशानी का बड़ा कारण बन सकती हैं।

वृषभ: राशि वाले जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आया। सप्ताह की शुरूआत में इष्ट-मित्रों की मदद से कोई बड़ी समस्या दूर होंगी। जो लोग लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे,उनकी तलाश पूरी होगी और उन्हें एक अच्छा अवसर प्राप्त होगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को बाजार में आई अचानक से तेजी का फायदा होगा।

मिथुन: राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन से जुड़ी बड़ी समस्याओं को दूर करने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरूआत में ही कोर्ट-कचहरी से जुड़े किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है या फिर विरोधी खुद आपसे समझौते के लिए पहल कर सकते हैं। इस दौरान करिअर-कारोबार के संबंध में की गई यात्राएं मनचाही सफलता दिलाने वाली होगी।

कर्क: राशि वाले जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला फल देने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरूआत में जहां किसी प्रिय व्यक्ति के साथ पैदा हुई गलतफहमी दूर होगी तो वहीं मौसमी बीमारी के चलते शारीरिक एवं मानसिक कष्ट हो सकता है। खराब सेहत के चलते आपके सोचे हुए कार्य लंबित हो सकते हैं।

सिंह: राशि वालों को इस सप्ताह बेहद सधे हुए कदम से आगे बढ़ने की आवश्यकता है,अन्यथा आपको लेने के देने पड़ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सचेत रहें और छोटी-मोटी बातों को इग्नोर करें। सप्ताह की शुरूआत में चोट-चपेट लगने की आशंका है,ऐसे में वाहन धीरे चलाएं और जल्दबाजी में कार्य करने से बचें।

कन्या: राशि के जातकों को इस सप्ताह कामकाज में कुछ एक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। सोचे हुए काम समय पर न पूरे होने पर आपके स्वभाव में थोड़ी चिड़चिड़ाहट देखने को मिलेगी। कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह पास के फायदे के लिए दूर का नुकसान करने से बचना होगा। सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध थोड़ा बेहतर रहने वाला है।

तुला: राशि के जातकों का इस सप्ताह अधिकांश समय स्वजनों के साथ संबंधों को रिवाइव करते हुए बीतेगा। सप्ताह की शुरआत में तीज-त्योहार या किसी मांगलिक कार्यक्रम पर प्रिय व्यक्तियों से मुलाकात होगी। अचानक से इष्टमित्रों के साथ पास या लंबी दूरी की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। बाजार में फंसा धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने वाणी और व्यवहार पर काबू पाने जरूरत रहेगी,अन्यथा घर-परिवार के सादस्या के साथ तकरार हो सकती है। आपके द्वारा कहे गए कटु वचन के कारण आपका कोई प्रिय व्यक्ति आपका साथ छोड़कर भी जा सकता है। इस दौरान घर के किसी बुजुर्ग व्यक्ति की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है।

धनु: राशि के जातक इस सप्ताह जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने को लेकर असमंजस की स्थिति में रहेंगे। आपके लिए इस सप्ताह सही और गलत के बीच चुनाव करना बेहद मुश्किल भरा रहने वाला है। ऐसी स्थिति में आप किसी विश्वासपात्र की सलाह लें या फिर चीजों को कुछ समय के लिए टाल दें। जीवनसाथी के साथ सुखद पल व्यतीत करेंगे।

मकर: राशि के लिए यह सप्ताह कभी घी घना और कभी सूखा चना जैसी स्थिति वाला रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में सही समय पर अपनों का साथ न मिल पाने पर खुद को अकेला महसूस करेंगे। इस कारण आपके स्वभाव में उग्रता एवं झुंझलाहट देखने को मिल सकती है। आप अपने भीतर आत्मविश्वास और उत्साह की कमी महसूस करेंगे।

कुंभ: यह सप्ताह राशि वालों के लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। सप्ताह की शुरूआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी या छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा थकान भरी लेकिन सोचे हुए काम को पूरा करने वाली और लाभप्रद साबित होगी। इस दौरान भूमि-भवन से जुड़े मामलों के कारण आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

मीन: राशि के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। यदि आप बीते कुछ समय से अपनी घर अथवा कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को लेकर परेशान चल रहे थे तो इस सप्ताह उनका समाधान निकल आएगा। सत्ता-सराकर से जुड़ा अटका हुआ काम किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरा हो जाएगा। लोग आपके कामकाज की तारीफ करेंगे।

शांति शिक्षा स्कूल और विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम का हिस्सा होनी चाहिए - आचार्य लोकेश

अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य डॉ. लोकेश ने शिकागो ओपन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में आचार्यश्री ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की और उसके बाद मीडिया को संबोधित किया। समारोह में आचार्यश्री का शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। आचार्य लोकेश ने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्तिगत प्रगति में मदद करता है और साथ ही समाज की प्रगति और कल्याण में भी मददगार साबित होता है।

उच्च शिक्षा व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, एक डिग्री प्राप्त कर व्यक्ति बेहतर नौकरी के अवसर, उच्च कमाई और यहां तक की बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रयासरत रहता है। उच्च शिक्षा लोकतंत्र और सतत विकास को भी बढ़ावा देती है और अपराध को कम करने में योगदान देती है। शिकागो ओपन यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करके महान मानव कल्याण का कार्य कर रहे हैं। विश्व शांति दूत आचार्य लोकेश ने स्कूल और विश्वविद्यालय में शांति शिक्षा को समाहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि शांति शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् बनाने के साथ-साथ यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारी शिक्षा प्रणाली अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण करे। 'शांति शिक्षा' जो प्राचीन योग और वर्तमान वैज्ञानिक अनुसंधान का एक संयोजन है विभिन्न स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम के रूप में शैल हो सकती है । शांति शिक्षा मानव में पाशविक प्रवृत्ति को समाप्त कर मानवीय एवं आध्यात्मिक मूल्यों को जागृत करने का कार्य करता है।

समारोह के बाद शांति शिक्षा और आगामी विश्व शांति केंद्र पर विस्तृत चर्चा की गई और दीक्षांत समारोह के बाद भव्य भोज का आयोजन किया गया।

पब्लिकॉन 2024: विभिन्न श्रेणियों में प्रकाशक-लेखक 'फिक्की पब्लिशिंग अवॉर्ड्स' से सम्मानित

॥ मनोज शर्मा ॥

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने "पब्लिकॉन 2024" का आयोजन किया, जो प्रकाशन उद्योग को समर्पित एक कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय 'प्रकाशन के भविष्य को आकार दे रही तकनीक(प्रौद्योगिकी)' था। फिक्की पब्लिशिंग अवाड्र्स' भी प्रस्तुत किए गए, जो विभिन्न श्रेणियों में प्रकाशकों के उत्कृष्ट योगदान को पहचानने और सम्मानित करने के लिए आयोजित किए गए थे।

पूर्व सचिव - SERB एवं वरिष्ठ सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार, डॉ. अखिलेश गुप्ता ने कहा, "भारत ओपन साइंस पॉलिसी को पूरी तरह से अपनाने की दिशा में बढ़ रहा है, जिसमें सीखने, अनुसंधान संसाधनों और डेटा का साझा करना शामिल है। सरकार ने पहले ही कई पहलें की हैं, जैसे वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS), I-STEM, NPTEL, SWAYAM, जो ओपन एक्सेस को सुगम बनाने के लिए हैं।"

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की अतिरिक्त महानिदेशक, श्रीमती शुभा गुप्ता ने कहा, "इस साल का पब्लिकॉन थीम, 'प्रकाशन के भविष्य को आकार देने वाली तकनीक', अत्यधिक प्रासंगिक है और प्रकाशन उद्योग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। आज की चचाएँ सभी प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक अनुभव होंगी। पुराने लोगों के लिए छपी हुई किताबें अब भी सर्वोत्तम अनुभव हैं, लेकिन नई पीढ़ी प्रौद्योगिकी से जुड़ी है, इसलिए पढ़ने की सामग्री उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। यह सम्मेलन हमारे लिए अवसर है कि हम अपनी सीमाएं बढ़ाएं और नई पीढ़ी के पाठकों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें।"

एफआईसीसीआई पब्लिशिंग कमेटी की सह-अध्यक्ष एवं एमबीडी ग्रुप की प्रबंध निदेशक, श्रीमती मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने कहा, "मुझे इस कार्यक्रम का आयोजन करने और इसकी थीम निर्धारित करने का सम्मान मिला है। हर साल फिक्की ने ऐसे प्रासंगिक विषय चुने हैं जो उद्योगों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि कैसे तकनीक ने हमारी पहुंच को वैश्विक बना दिया है। हमें अपने अनुभवों और कौशल को साझा करने का एक अनूठा अवसर मिला है। मुझे आशा है कि हम आज के सत्रों से बहुत कुछ सीखेंगे।"

एफआईसीसीआई पब्लिशिंग कमेटी के सह-अध्यक्ष एवं हार्पर कॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया लिमिटेड के सीईओ, अनंथ पद्मनाभन ने कहा, सबसे पहले, मैं सभी भाग लेने वाले प्रकाशकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अधिकांश लेखक और प्रकाशक अपने कार्यालयों की चार दीवारी में काम करते हैं, इसलिए सार्वजनिक मंचों पर पहचान मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे लेखक व्यापक दर्शकों तक पहुंच पाते हैं और प्रकाशकों को भी लाभ होता है। मैं सभी प्रकाशकों से नियमित रूप से सहभागिता की अपील करता हूं। किताबें और शिक्षा जीवन बदलने का एक मूल स्रोत हैं। हमारे पास 200 मिलियन वरिष्ठ नागरिक और लगभग 250 मिलियन स्कूली बच्चे हैं। फिर भी, हम जितनी किताबें बेच सकते हैं, उतनी नहीं बेच रहे हैं। इसका एक कारण पुस्तक की लागत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पुस्तकें सस्ती हों और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचें।"

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक, डॉ. अनिर्बान दास ने कहा, ""भारत भर में, हस्तलिखित पांडुलिपियों के साथ हम चार प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। पहली चुनौती पांडुलिपियों की विशाल मात्रा है, जो प्रबंधन और संरक्षण को कठिन बनाती है।

दूसरी चुनौती यह है कि पात्रों के लिए एक स्पष्ट दिशा की कमी है, जिससे कथा की धारा बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। तीसरी चुनौती यह है कि केवल कुछ लोगों के पास इन ग्रंथों को सही तरीके से संपादित करने के लिए आवश्यक कौशल है। और अंततः यह कार्य अत्यंत समय-साध्य है, जिसके कारण कई मूल्यवान पांडुलिपियाँ समय के साथ खो चुकी हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए हमें इन पांडुलिपियों को प्रभावी ढंग से संभालने और संरक्षित करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की आवश्यकता है। पब्लिकॉन इस पर चर्चा करने के लिए एक आदर्श मंच है।"

डीन और निदेशक, प्रो. (डॉ.) रमेश सी. गौर ने कहा, "कंप्यूटरों की शुरूआत के बाद, पहली लाइब्रेरी 1965 में अस्तित्व में आई। इंटरनेट क्रांति ने परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया, लेकिन 21वीं सदी में डिजिटलीकरण के साथ प्रौद्योगिकी का वास्तविक प्रभाव महसूस हुआ है। आज, पुस्तकालय 80% तकनीक और 20% पारंपरिक तरीकों से बने हैं।

केंद्र सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना 8 स्टार्टअप भी नवीन तकनीक का कर रहे प्रदर्शन

लोग अब किसानों से उनके प्राकृतिक और जैविक उत्पाद खुद खरीद सकते हैं। उनसे आगे के लिए सीधा संपर्क स्थापित कर सकते हैं। जिससे वह न केवल किसानों का समर्थन करेंगे बल्कि उन्हें भी किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्राप्त हो सकेंगे। इसी पहल के तहत ही हरियाणा में अपनी तरह का सबसे बड़ा एफपीओ मेला आज अंबाला सिटी की नई अनाज मंडी में शुरू हुआ है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम में भारत भर के 40 से अधिक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) शामिल हो रहे हैं, जो 1,000 से अधिक प्राकृतिक और जैविक किसान उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मेले में केंद्रीय सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना द्वारा वित्त पोषित 8 स्टार्टअप्स भी भाग ले रहे हैं, जो अपनी नवीन कृषि तकनीकों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

बाबा बिधि चंद एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के जपिंदर सिंह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "यह मेला हमारे लिए उपभोक्ताओं तक सीधे पहुंचने और उन्हें हमारे जैविक उत्पादों के फायदों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक शानदार मंच है। दर्शकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से हम बहुत खुश हैं।"

मास्टर ब्रेन एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के श्री गुरसेवक सिंह ने ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "उपभोक्ताओं से सीधे जुड़ना हमारे लिए विश्वास बनाने और उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक उत्पादों को दिखाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।"

ग्रीनअफेयर सस्टेनेबल की कोमल जयसवाल ने कहा, "यह प्रेरणादायक है कि इतने सारे लोग टिकाऊ और जैविक उत्पादों में रुचि ले रहे हैं। यह मेला स्वस्थ जीवन शैली के विकल्पों की बढ़ती जागरूकता और मांग का प्रमाण है।"

मेले में आए एक दर्शक, मनोज शर्मा ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, "यह मेला किसानों से बातचीत करने और उन उत्पादों की उत्पत्ति को समझने का एक शानदार अवसर है, जिनका हम उपभोग करते हैं। उपलब्ध वस्तुओं की गुणवत्ता और विविधता प्रभावशाली है और किसानों को सीधे समर्थन देना बहुत अच्छा है।"

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में नीति आयोग की शासी परिषद की नौंवी बैठक में प्रतिभाग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेशों के मुख्यमंत्री एवं सदस्यगण।

रोकथाम इलाज से बेहतर है

मेयर डॉ. ओबेरॉय शेली, वरिष्ठ एमसीडी अधिकारियों के साथ, वेक्टर जनित बीमारियों पर करोल बाग जोन में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। एमसीडी इन बीमारियों से लड़ने और दिल्ली की रक्षा करने के लिए समर्पित है, हमारे शहर को सुरक्षित रखने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

शरीर के इन हिस्सों में होने वाले दर्द को ना करें नजरअंदाज

तेजी से बढ़ रहे कोलेस्ट्रॉल का है संकेत

आजकल की बदलती जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों की वजह से बड़ी तादाद में लोग दिल की बिमारियों से ग्रस्त हैं। हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल की बीमारी के कारण दिल की बिमारियों का जोखिम बढ़ता है। ज्यादातर लोगों को कोलेस्ट्रॉल के बारे में जानकारी नहीं होती है। बता दें कि कोलेस्ट्रॉल एक तरह का फैट होता है जो खून में मौजूद होता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते हैं – एलडीएल और एचडीएल। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को बैड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है। यह रक्त धमनियों में बाधा उत्पन्न कर हृदय को नुकसान पहुँचाता है। जबकि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को गुड कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। यह दिल को स्वस्थ रखने का काम करता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर ज्यादा होने से हार्ट अटैक और किडनी फेलियर का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर के कई हिस्सों में इसके लक्षण दिखाई देते हैं। अक्सर लोग इन लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं जिसके कारण बाद में परेशानी बढ़ सकती है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर के किन हिस्सों में दर्द होने लगता है –

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण

हाथ-पैर में दर्द

जब किसी व्यक्ति के अंदर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लग जाती है तो उसे अपने हाथ पैरों में दर्द महसूस होने लगता है। ऐसा तब होता है जब खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा अधिक हो जाती है। इसकी वजह से शरीर में मौजूदा रक्त वाहिकाओं में अवरोध उत्पन्न होने लगता है। इन सभी कारणों की वजह से व्यक्ति को बिना किसी वजह हाथ पैरों में दर्द महसूस होने लगता है। यह सब बदलाव शरीर में पेरिफेरल नसों में पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व से भरपूर खून नहीं पहुंच पाने की वजह से होते हैं। इस तरह की परेशानी ज्यादातर उन लोगों को होती है जिनका वजन बहुत ज्यादा होता है। ज्यादा मोटापा होने के कारण ऐसे लोगों को अपने शरीर में कपकपी महसूस होने लगती है।

पैरों के नेल्स का रंग और स्किन कलर का बदलना

पैरों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से शरीर पैरों में विशेषकर ब्लड सकुर्लेशन बाधित होता है और ऑक्सीजन की सप्लाई भी बाधित होती है। इससे पैरों के नाखून और स्किन का रंग बदल का पीला पड़ने लगता है। वहीं, पैरों की नसों पर दबाव के कारण उनका रंग नीला या बैगनी नजर आने लगता है। क्योंकि ब्लड ले जाने वाले पोषक तत्वों और ऑक्सीजन के प्रवाह में कमी के कारण सेल्स को सही पोषण नहीं मिल पाता। इससे स्किन टाइट या सूजी नजर आती है और नाखून भी मोटे होने लगते हैं।

तलवों का ठंडा होना

हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल के कारण आपके पैरों के नाखून का रंग ही नहीं बदलता बल्कि पैर के हिस्से के तापमान में भी बदलाव आ सकता है। ऐसे में हो सकता है आपके पैर हरदम ठंडे रहने लगें। यहां तक की गर्मियों में भी अगर आप इन्हें छूएं, तो आपको ये ठंडे ही लगेंगे। ज्यादातर लोगों के अंगूठे को देखकर जमे हुए कोलेस्ट्रॉल का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। जब भी आपको ऐसा लगे, तो इस स्थिति को नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

गर्दन और सिर के पीछे वाले हिस्से में दर्द

जब किसी व्यक्ति के अंदर कोलेस्ट्रॉल का लेवल खून में ज्यादा बढ़ जाता है तो उसके शरीर की रक्त वाहिकाएं ब्लॉक होने लगती हैं। इसकी वजह से उसके सिर में रक्त संचार प्रभावित होता है। कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सिर में रक्त संचार पर भी असर पड़ता है और सिर के पिछले हिस्से में व्यक्ति को दर्द महसूस होने लगता है। केवल सिर में दर्द ही नहीं, बल्कि गर्दन और कंधे में भी समय-समय पर सूजन और दर्द महसूस होने लगता है। यदि किसी व्यक्ति को इस तरह की परेशानी हो रही है तो उसे जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

थकान होना

जब व्यक्ति के शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लग जाती है तो उसको बहुत ही जल्दी थकान महसूस होने लगती है। ऐसे में थोड़ी दूर पर चलने पर ही आदमी थका हुआ महसूस करने लगता है और उसकी सांस फूलने लगती है। जब इस तरह के बदलाव उसके शरीर में आने लगते हैं तो व्यक्ति को तुरंत अपने कोलेस्ट्रोल का चेकअप कराना चाहिए और डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। क्योंकि कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आपके शरीर के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। इसके साथ ही ध्यान रखें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण हर किसी के शरीर में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों को कोलेस्ट्रॉल की वजह से थकान और आलस महसूस होता है।

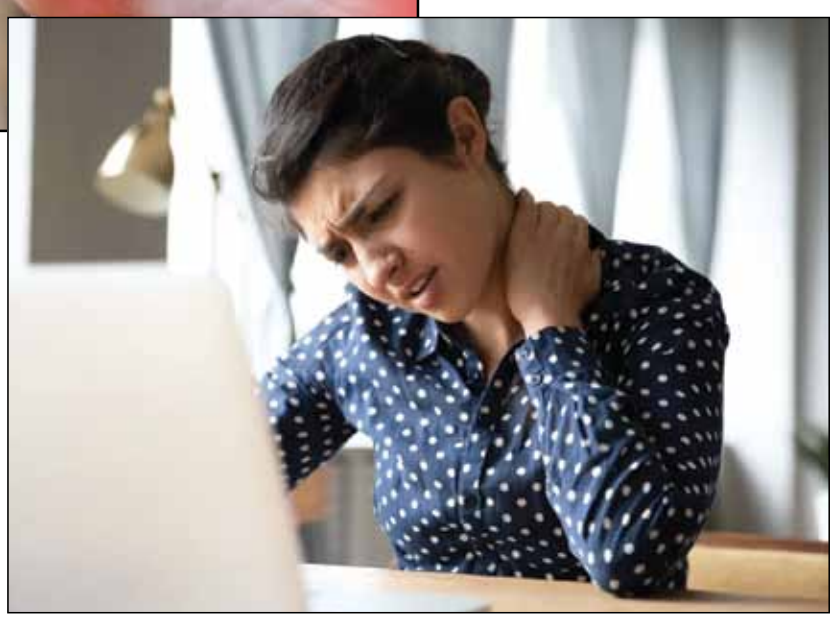

पीरियड्स के दर्द में राहत देंगे

ये घरेलू तरीके

खान-पान में करें ये बदलाव

पीरियड्स के दौरान पेट के निचले हिस्से में दर्द होना आम बात है। कई बार ये दर्द पूरी बॉडी और पैरों तक भी महसूस होता है। कुछ फीमेल्स को पीरियड क्रैम्प्स होते हैं और कुछ को नहीं। इसकी वजह क्या है यह डॉक्टर्स भी नहीं जानते। वहीं कुछ को दर्द के साथ उल्टियां और चक्कर की समस्या भी होती है। ज्यादातर मामलों में कोई सीरियस बात नहीं होती। हालांकि यह दर्द कई बार इतना असहनीय होता है कि आपका रूटीन प्रभावित हो जाता है। वैसे समस्या बहुत ज्यादा है तो बेस्ट तरीका है, डॉक्टर्स से मिलें और उनकी सलाह पर पेन किलर लें। अगर आप दवा नहीं लेना चाहतीं तो कुछ घरेलू उपाय अपना सकती हैं।

- पीरियड्स के दौरान ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाती है। सर्दी हो या गर्मी जब आपको हल्का दर्द शुरू हो अपने पास पानी की बोतल भरकर रख लें और थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीती रहें।

- गरम पानी की बोतल या हीटिंग पैड भी पीरियड्स पेन में काफी राहत देते हैं। अगर आप पेन किलर भी ले रही हैं तो साथ में सिकाई करने से बेहतर रिजल्ट मिलते हैं।
- कुछ शोध बताते हैं कि खाने में मैग्नीशियम की मात्रा बढ़ाने से मेंस्ट्रुअल क्रैम्प्स में राहत मिलती है। पालक, बादाम, योगर्ट और पीनट बटर मैग्नीशियम रिच फूड्स होते हैं।

रहें ऐक्टिव

वैसे पीरियड्स के दौरान कई बार लड़कियां एक्सराइज बंद कर देती हैं। जबकि वर्कआउट से स्ट्रेस से राहत मिलने के साथ पीरियड से जुड़ी कई दिक्कतों से राहत मिलती है। अगर आपको पीरियड्स के दौरान थकान या मूड स्विंग्स की शिकायत होती है तो एरोबिक एक्सरसाइज इससे राहत दिला सकती है। इसकी वजह यह है कि एक्सरसाइज करने से आपका एंडॉर्फिन का लेवल बढ़ता है। इससे आपको मूड बेहतर होता है। वहीं पीरियड के पहले और दौरान ऐक्टिव रहने से पीरियड क्रैम्प्स में आराम मिलता है। आप ज्यादा वर्कआउट नहीं करना चाहतीं तो हल्का टहल लें या लेटकर साइकलिंग कर लें।

भारत की 43 रन से जीत: कभी नहीं सोचा था कि मैच हमसे दूर चला जाएगा

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

श्रीलंका पर 43 रनों की जीत के साथ भारत के तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे होने के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम ने कभी नहीं सोचा था कि मैच लगभग उनके हाथ से निकल जाएगा। श्रीलंका ने पूरी ताकत झोंक दी और 140/1 पर अच्छी तरह से तैयार था, लेकिन 30 रन पर अपने शेष नौ विकेट खोने से उसे 43 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले, पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, सूर्यकुमार ने 28 गेंदों में 56 रन बनाए, जो उनका 20वां टी20 अर्धशतक था, और इस प्रारूप में भारत के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनका पहला अर्धशतक था और उन्होंने टीम को 213/7 तक पहुंचाया।

वे पहली गेंद से ही अच्छे ब्रांड का क्रिकेट खेल रहे थे। वे लय बरकरार रखे हुए थे, इसका श्रेय उन्हें जाता है।' हमने यहां दो-तीन दिनों तक अभ्यास किया और हमें पता था कि रात में विकेट कैसा होगा।'

मैच खत्म होने के बाद सूर्यकुमार ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि यह हमसे दूर चला जाएगा। हम भाग्यशाली थे कि ओस नहीं थी। हमने विश्व कप में जिस तरह से खेला, उससे हमें याद आया कि खेल अभी बहुत दूर है। टीम के लिए जो भी काम करेगा, हम (बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन जारी रखने पर) फैसला लेंगे।"

इसी तरह के विचार उप-कप्तान शुभमन गिल ने भी व्यक्त किए, जो यशस्वी जयसवाल के साथ 74 रन की शुरूआती साझेदारी में शामिल थे। वास्तव में नहीं (घबराया हुआ)।

हमने अच्छे संचार के बारे में बात की और हम जानते थे कि हमें सिर्फ एक विकेट की जरूरत है (जब श्रीलंका का स्कोर 140/1 था)।

उनके (जायसवाल) साथ बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा है और हम एक दूसरे के पूरक हैं। हमारी शैली अलग है, हमारी योजना सरल है - परिस्थितियों का आकलन करें और फिर गेंदबाजों का सामना करें। जब आप पारी की शुरूआत कर रहे हों, तो देखें कि पिच कैसा व्यवहार कर रही है और उसके अनुसार खेलें (यही योजना है।

श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका ने अपनी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर अफसोस जताया। हम पावरप्ले में (गेंद के साथ) अच्छे प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन बाद के हिस्से में, हमने काफी मजबूत वापसी की। किसी स्तर पर, हमने सोचा था कि वे 240 तक पहुंच सकते हैं, लेकिन हमने अच्छा किया (उन्हें 213 पर रोककर)।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "मध्यक्रम ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे थोड़ा निराश हूं, हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। (अपनी ओर से) यह एक प्रयोग है, लेकिन भविष्य में हमें इसी रास्ते पर चलना चाहिए।"

मुक्केबाज प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा में किम अन्ह पर शानदार जीत दर्ज की

भारत की प्रीति पवार पहले दौर के मुकाबले में शानदार जीत के साथ मुक्केबाजी में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। हरियाणा के भिवानी की 20 वर्षीय खिलाड़ी ने नॉर्थ पेरिस एरेना में राउंड 32 में वियतनाम के वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया।

अब उनका मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। बाउट के दौरान प्रीति ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल नहीं करने दी। शुरूआत में भारतीय मुक्केबाज को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर उन्होंने शानदार वापसी की और पहला मुकाबला जीत लिया।

14 साल की उम्र में, प्रीति को उनके चाचा विनोद ने मुक्केबाजी से परिचित कराया,

जो खुद राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता मुक्केबाज थे। विनोद ने प्रीति के पिता, जो हरियाणा पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) के रूप में काम करते हैं, को उन्हें मुक्केबाजी में हाथ आजमाने के लिए मना लिया और उन्हें कोचिंग देना शुरू कर दिया।

बॉक्सिंग में करियर बनाने के लिए प्रीति को अपने परिवार से पूरा सहयोग मिला और उन्होंने उनके विश्वास को कम नहीं होने दिया। हालाँकि उन्होंने थोड़ी देर से शुरूआत की, छह साल में, प्रीति ने घरेलू सर्किट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रगति की, पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया। अब वह ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर अपना सपना पूरा करने की उम्मीद कर रही हैं।

अफगानिस्तान ग्रेटर नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगा

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने पुष्टि की कि उनकी पुरुष टीम 9 से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेगा, इस साल लंबे प्रारूप में यह टीम का तीसरा मैच होगा। अफगानिस्तान ने इससे पहले आयरलैंड (2019), बांग्लादेश (2019) और जिम्बाब्वे (2021) के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच जीता है। हम अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार एक गुणवत्तापूर्ण न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की मेजबानी करके खुश हैं। यह उस कड़ी मेहनत का प्रमाण है जो हमने विभिन्न आईसीसी बोर्ड बैठकों के मौके पर विभिन्न बोर्डों के साथ कई चचाओं और बैठकों के माध्यम से की है।

एसीबी के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ ने कहा, "ब्लैक कैप्स विश्व क्रिकेट में एक उत्कृष्ट ऑल-फॉर्मेट टीम है, और हमें उम्मीद है कि हम भविष्य में सफेद गेंद वाले द्विपक्षीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ एक समझौते पर पहुंचेंगे।"

यह मैच ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए अफगानिस्तान की वापसी का भी प्रतीक होगा, जो एसीबी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच आपसी समझौते के बाद अफगानिस्तान के घरेलू मैचों के लिए आवंटित स्थानों में से एक है। न्यूजीलैंड एकमात्र टेस्ट मैच से पहले तीन दिवसीय कंडीशनिंग शिविर के लिए 5 सितंबर को ग्रेटर नोएडा पहुंचने वाला है। न्यूजीलैंड को भी भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, जो 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होंगे, उसके बाद क्रमशः पुणे और मुंबई में मैच होंगे।

नडाल टेनिस शेड्यूल से नाखुश: छोड़ सकते हैं एकल स्पर्धा

राफेल नडाल ने पेरिस खेलों के शेड्यूल पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है, जिससे कार्लोस अल्काराज के साथ पुरुष युगल ओपनर में जीत के बाद शुरूआती एकल मैच में उनकी भागीदारी पर संदेह हो गया है।

अल्काराज के साथ स्पैनियार्ड का युगल मैच, जहां स्पेनिश जोड़ी ने छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी को 7-6(4), 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, शनिवार रात करीब 10 बजे समाप्त हुआ, जबकि उनका एकल मुकाबला (पहले राउंड का मैच) खेला जाना है।

नडाल ने पेरिस में मीडिया से कहा, "दोपहर 2:00 बजे का मैच ? मुझे शेड्यूल समझ में नहीं आता। जब मैं दो बजे खेल रहा होता हूं तो यह मेरे लिए अपमानजनक लगता है।"

नडाल, जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान जांघ में भी चोट लगी थी, ने एक घंटे, 47 मिनट का पूरा मैच अपने दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से पर टेप लगाकर खेला, लेकिन लेफ्टी ने बाधित गति का कोई संकेत नहीं दिखाया।

यदि नडाल एकल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो उनके प्रतिद्वंद्वी हंगरी के फुकसोविक्स भी होंगे। एक जीत एक और

महान टेनिस खिलाड़ी और 24 बार के प्रमुख विजेता नोवाक जोकोविच के साथ मुकाबला तय करेगी, जिन्होंने दूसरे दौर में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलियाई मैथ्यू एबडेन के खिलाफ मैच में 53 मिनट में 6-0, 6-1 से जीत हासिल की।

"मुझे नहीं पता कि मैं कल खेलूंगा या नहीं। मुझे गांव वापस जाना होगा और टीम से बात करनी होगी, मैं वह निर्णय लूंगा जो मुझे लगता है कि स्पेन के लिए परिणाम प्राप्त करने का मौका पाने के लिए सबसे उपयुक्त होगा। दो बार के स्वर्ण पदक विजेता (2008 बीजिंग एकल, 2016 रियो युगल) नडाल ने कहा, "कभी-कभी कम भी अधिक होता है।"

अल्काराज और नडाल ने पेरिस 2024 ओलंपिक में अपने बहुप्रतीक्षित युगल पदार्पण की शानदार शुरूआत की।

"मैच उच्चतम स्तर का था। मुझे लगता है कि हमने अच्छा खेला और निर्णायक क्षणों में, हमने सही दृढ़ संकल्प के साथ खेला। मैच उच्चतम स्तर का था, प्रतिद्वंद्वी एक बहुत ही समेकित जोड़ी थी, जो दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक थी। नडाल ने अल्काराज के साथ अपने डबल्स मैच के बारे में कहा, "यह एक कठिन मैच था, हमने इसका आनंद लिया लेकिन कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा।"

पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में पूर्व विश्व नंबर 1 की जोड़ी के लिए अगले स्थान पर डचमैन टैलोन ग्रिक्सपुर और वेस्ले कूलहोफ या हंगेरियन मार्टन फुकसोविक्स और फैबियन मारोजसन हैं। फुस्कोविक्स नडाल के पहले दौर के एकल प्रतिद्वंद्वी हैं।

एंडी मरे ने किया संन्यास का ऐलान

ओलंपिक की शुरूआत से पहले ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे ने बड़ा ऐलान किया है।

दरअसल, एंडी ने संन्यास की घोषणा की है। दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैंपियन एंडी मरे ने पुष्टि की है कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे। 37 वर्षीय मरे ने एक्स पर इसकी जानकारी दी।

वहीं एंडी मरे ने एक्स पर लिखा कि, अपने आखिरी टेनिस टूनार्मेंट के लिए पेरिस पहुंच गया हूं, पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी।

बता दें कि, मरे ने पहला गोल्ड मेडल 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

ब्रिटनी ने अपने गुस्से वाली पोस्ट पर किया खुलासा

हाल ही में हेल्सी ने अपने नए गाने लकी के लिए अपना म्यूजिक वीडियो रिलीज किया, जिसमें वह ब्रिटनी की तरह तैयार हुई थीं। यह म्यूजिक वीडियो ब्रिटनी को पसंद नहीं आया क्योंकि उन्हें लगा कि वीडियो ने उनका "उल्लंघन" और "उत्पीड़न" किया है। उन्होंने एक्स पर हेल्सी के म्यूजिक वीडियो के बारे में अपनी भावनाओं के बारे में पोस्ट किया। हालांकि, बाद में उन्होंने दावा किया कि यह पोस्ट उनके द्वारा नहीं लिखी गई थी। ब्रिटनी ने हेल्सी के खिलाफ पोस्ट को 'फर्जी खबर' बताया ब्रिटनी ने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, एक्स पर हेल्सी के गाने लकी के लिए नए म्यूजिक वीडियो को देखने के बाद अपने विचार व्यक्त किए। गायिका वीडियो में जिस तरह से पेश की गई, उससे नाराज थीं और उन्होंने लिखा, "स्पष्ट कारणों से, मैं हेल्सी के वीडियो से बहुत परेशान हूं। मैं परेशान, अपमानित और धमकाया हुआ महसूस करती हूं। मुझे नहीं पता था कि उनके जैसा कोई कलाकार और कोई ऐसा व्यक्ति जिसे मैं देखती और सराहती हूं, वह मुझे बिना किसी दिल या चिंता के एक सतही पॉप स्टार के रूप में पेश करके इस तरह से अज्ञानी तरीके से चित्रित करेगा," द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार। ब्रिटनी ने हाल ही में अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया क्योंकि वह मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहती थी और उसने कहा, "मुझे अपनी खुद की स्वास्थ्य समस्याएं हैं, यही वजह है कि मैंने कल अपना IG अकाउंट बंद कर दिया। मैं निश्चित रूप से इसे वापस लाऊंगी ताकि मैं दिखा सकूं कि मुझे परवाह है। मैं अपने वकीलों से बात कर रही हूं कि इस मामले में क्या किया जा सकता है। यह अवैध और बिल्कुल क्रूर लगता है।" हालाँकि, उसने तुरंत पोस्ट हटा दी और दावा किया कि यह उसने पोस्ट नहीं किया था, बल्कि किसी और ने उसके फोन के जरिए लिखा था। उसने हैल्सी के खिलाफ गुस्से से भरे पोस्ट को "फर्जी खबर" कहा और एक नई पोस्ट में लिखा, "मेरे फोन पर वह मैं नहीं थी!!! मुझे हैल्सी से प्यार है और इसलिए मैंने इसे हटा दिया।" हैल्सी के उपरोक्त वीडियो में गायिका के मानसिक स्वास्थ्य के साथ संघर्ष को गहराई से दिखाया गया है और अपने संगीत वीडियो में अपने दौर से ब्रिटनी के लुक को दिखाया है। उसने ब्रिटनी से प्रेरणा ली। आगामी फर्जी खबरों के बीच, हैल्सी ने ब्रिटनी के बयान का प्यार से जवाब दिया। उसने एक्स पर लिखा, "और मैं ब्रिटनी से प्यार करती हूँ!!!! मैं हमेशा से करती आई हूँ और हमेशा करती रहूँगी। आप पहले व्यक्ति थे जिन्होंने मुझे एहसास कराया कि प्रेरित महसूस करने का क्या मतलब है। और आप मुझे हर दिन प्रेरित करते रहते हैं। हेल्सी ने नए ट्रैक के लिए अपने म्यूज़िक वीडियो में मोनिका के एंजल ऑफ माइन को भी शामिल किया।

बिकिनी पहन दिखाया कर्वी फिगर

एक्ट्रेस केट शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड पिक्चर्स शेयर करती रहती हैं। फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस की तस्वीरें को बेसब्री से इंतजार करते हैं। वहीं, केट शर्मा अपने फैंस का खयाल रखते हुए अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती हैं। उन्होंने एक बार फिर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं। केट शर्मा की लेटेस्ट फोटोज फैंस का ध्यान खींच रही हैं और वह इन पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। केट शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर कर रही हैं। केट शर्मा की इन तस्वीरों में उनकी अदाओं को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। केट शर्मा अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में ब्लैक बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं। केट शर्मा बाल खोलकर कैमरे के सामने ना देख साइड में देखते हुए नजर आ रही हैं।

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

चित्रांगदा सिंह की फिटनेस देख उड़ जायेंगे होश

चित्रांगदा सिंह ने अपने अंदाज से दुनियाभर के फैन्स का दिल जीता है। वैसे तो एक्ट्रेस को बंगाली फिल्मों में ज्यादा देखा गया है लेकिन वह बॉलीवुड फिल्मों का भी हिस्सा रह चुकी हैं। एक्ट्रेस पिछले 9 सालों से सिंगल मदर के तौर पर रह रही हैं। वह हिंदी दर्शकों के बीच भी काफी लोकप्रिय हैं। चित्रांगदा सिंह ने भले ही कुछ ही बॉलीवुड फिल्मों में काम किया हो, लेकिन हिंदी दर्शकों के बीच भी एक्ट्रेस की जबरदस्त पकड़ है।

उन्होंने छोटी सी भूमिका से ही हिंदी दर्शकों का दिल जीत लिया है। चित्रांगदा अब 47 साल की हैं और इस उम्र में भी उनकी फिटनेस आपको दीवाना बना देगी। चित्रांगदा का जन्म राजस्थान के जोधपुर में हुआ था लेकिन वह मूल रूप से बंगाली हैं और कई बंगाली फिल्मों का हिस्सा रही हैं। चित्रांगदा ने अपने करियर की शुरूआत 2005 में सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से की थी। इसमें उन्हें नोटिस भी दिया गया था। लेकिन एक फिल्म ऐसी थी जिसके बाद वह बॉलीवुड सिनेमा में भी एक लोकप्रिय चेहरा बन गईं। एक्ट्रेस ने गब्बर इज बैक के गाने कुंडी मत खड़काओ राजा पर डांस किया था। इन गानों से उन्हें खूब पहचान मिली। इसके बाद वह कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं और उनके लुक को काफी पसंद भी किया गया। आखिरी बार वह सारा अली खान की फिल्म गैसलाइट में नजर आई थीं। उनकी शानदार एक्टिंग के लिए उन्हें अवॉर्ड भी दिया गया। फिलहाल चित्रांगदा किसी बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह अपनी छोटी-छोटी भूमिकाओं से भी लोगों का दिल जीत रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes